UPHIN/2011/39718 (डिजिटल संस्करण) बुन्देलखण्ड का सबसे दबंग अखबार

संजय श्रीवास्तव
प्रधान सम्पादक
7905027565
9415055318

दैनिक यंग भारत

निष्पक्ष नज़र निर्भीक खबर

Digital Edition

यंग भारत
वेब न्यूज

सहयोगी प्रकाशन/प्रसारण
दैनिक वास्तविक समाज बाद-लखनऊ
प्रमुख उर्दू दैनिक तामीरे नौ -लखनऊ

वर्ष-14 अंक-207 कीर्ति शेष रामेश्वर दयाल श्रीवास्तव (लम्बरदार) की स्मृति में उरई (जालौन) शुक्रवार 10 जुलाई 2026 youngbharatE-paper.com

बांदा में सीएम योगी बोले-कभी यहां डकैतों-माफिया का था आतंक

बुंदेलखण्ड को बनाएंगे धरती का स्वर्ग

संजय श्रीवास्तव
प्रधान सम्पादक

(यंग भारत न्यूज)

बांदा: सीएम योगी गुरुवार को बांदा में थे. इस दौरान उन्होंने शहर के कालूकुआं चौराहे स्थित रानी अवंती बाई की प्रतिमा का अनावरण किया. साथ ही पंडित जवाहरलाल नेहरू डिग्री कॉलेज मैदान में आयोजित जनसभा स्थल से 701 करोड़ रुपए की कई परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया. जनसभा को संबोधित करते हुए सरकार द्वारा चलाई जा रही तमाम योजनाओं के बारे में चर्चा की. वहीं समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर जमकर निशाना साधते हुए बुंदेलखंड की उपेक्षा करने का आरोप लगाया.

योगी ने कहा कि सीएम बनने के बाद प्रधानमंत्री ने मुझसे कहा था कि पहला दौरा बुंदेलखंड का हो और वहां के लिए कुछ किया जाए. जब मैं यहां पहली बार आया तो देखा कि पिछड़ापन यहां की पहचान है. सीएम ने कहा कि पलायन और प्यास बुंदेलखंड की पहचान बन गई थी. खनन माफिया, वन माफिया, भूमाफिया व डकैतों का यहां ऐसा आतंक था, जिससे किसान भी खेत में जाने से डरता था. सीएम ने कहा कि पाठा का यह क्षेत्र डकैतों के लिए फिरौती व वसूली का माध्यम बन गया था. यहां कनेक्टिविटी, सिंचाई, पेयजल, सुरक्षा, रोजगार नहीं था. कहा कि उस दौर में थाने में एफआईआर तक नहीं होती थी. बुंदेलखंड अस्तित्व के लिए जूझ रहा था, मगर अब बुंदेलखंड की प्रगति को देखकर प्रसन्नता होती है. हर किसी को 9 वर्ष पहले और आज के बांदा में परिवर्तन दिखेगा. सीएम ने कहा कि विकास व विरासत के संरक्षण के लिए शासन के संज्ञान में जो भी प्रोजेक्ट आएगा, उसे लागू कर बुंदेलखंड को धरती का स्वर्ग बनाएंगे. मंच से सीएम ने कहा कि कुछ लोग विरासत को अपमानित करते हैं. ऐसे लोगों ने हिंदु परंपरा व सनातन को कोसना ही अपने जीवन का ध्येय बनाया है. कहा कि ऐसे लोग वैभवशाली व विकसित भारत नहीं देखना चाहते हैं. हमारी सरकार जो पैसा मंदिरों के विकास व धामों के सुंदरीकरण के लिए देती है, समाजवादी पार्टी के समय वही पैसा कब्रिस्तान की बाउंड्रीवाल के लिए जाता था. उन्हें कब्रिस्तान प्यारा है, इसलिए वे राम मंदिर, काशी विश्वनाथ, मां विंध्यवासिनी धाम, चित्रकूट, नैमिषारण्य धाम के विकास का विरोध करते हैं. कहा कि सपा व कांग्रेस वाले भाजपा के प्रतिनिधियों द्वारा कराए जाने वाले विकास कार्यों को पचा नहीं पाते.सीएम योगी ने गुरुवार को बांदा व बबेरू विधानसभा क्षेत्र के लिए 710 करोड़ से अधिक की 229 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण-शिलान्यास किया. सीएम ने योजनाओं को गिनाकर इसका श्रेय जनता व यहां के जनप्रतिनिधियों को दिया. सीएम ने कहा कि पीएम मोदी ने जब देश की बागडोर संभाली तो आशा की किरण जगी. 2017 में यूपी में डबल इंजन सरकार बनने के बाद यहां भी कनेक्टिविटी, पेयजल, हर खेत को पानी और बांदा के युवाओं को सरकारी नौकरी का नियुक्ति पत्र मिल रहा है. डबल इंजन की भाजपा सरकार ने सभी के सपनों को साकार किया है. सीएम ने कहा कि बुंदेलखंड अब डकैत, माफिया, कर्फ्यू, उपद्रव व दंगामुक्त हो गया. अब यहां महारानी दुर्गावती मेडिकल कॉलेज, कृषि विश्वविद्यालय, इंजीनियरिंग कॉलेज, पॉलीटेक्निक कॉलेज, कनेक्टिविटी की बेहतरीन सुविधा मिल रही है. सीएम ने आगामी विधानसभा के चुनाव के मद्देनजर कहा कि यदि भूमाफिया व डकैत चुनाव जीतेगा तो व्यापारी का अपहरण करेगा, गरीबों को उजाड़ेगा और नौजवानों व गरीबों की योजनाओं पर डकैती डालेगा. 2017 के पहले उप्र में यही होता था. जिसे प्रदेश की रखवाली की जिम्मेदारी सौंपी जाती थी,

अखिलेश यादव का बड़ा दावा: राम मंदिर चंदा चोरी की निष्पक्ष जांच हुई, तो बीजेपी में मच जाएगी भगदड़, कहा- ये दिल्ली लखनऊ की लड़ाई है

(यंग भारत न्यूज)

लखनऊ: समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बीजेपी पर अब तक का सबसे बड़ा हमला बोला है. राम मंदिर चंदा गबन मामले की जांच की निष्पक्षता पर सपा अध्यक्ष ने सवाल उठाए, और कहा कि, अगर लीपापोती के बजाए सही तरीके से जांच हुई तो बीजेपी में भगदड़ मच जाएगी.

सीडीआर जांच की मांग: राम मंदिर चढ़ावा प्रकरण को लेकर अखिलेश यादव ने कहा कि, यदि मंदिर परिसर में कार्य करने वाले सभी लोगों की कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) की जांच कराई जाए, तो 99.9 प्रतिशत लोग भाजपा से जुड़े निकलेंगे. उन्होंने आरोप लगाया कि, विपक्ष के खिलाफ लगातार एफआईआर दर्ज की जा रही हैं, जबकि विपक्ष द्वारा दी गई शिकायतों पर कार्रवाई नहीं की जाती. दिल्ली और लखनऊ की लड़ाई: राम मंदिर चंदा विवाद पर अखिलेश यादव ने कहा कि, ये दिल्ली और लखनऊ के बीच की लड़ाई है. उन्होंने कहा कि, जो भारतीय जनता पार्टी के विचार हैं, वह वोट के लिए बदलते हैं. उनके लिए धर्म नहीं, धन प्राथमिकता है. अखिलेश ने बीजेपी पर महापाप करने का आरोप लगाया. अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती से मिले अखिलेश: इन सबके बीच लखनऊ के उत्तर विधानसभा क्षेत्र में अखिलेश यादव ने शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती से मुलाकात की. दोनों के बीच करीब 30 मिनट तक बातचीत हुई. मुलाकात के दौरान अखिलेश यादव शंकराचार्य के समक्ष जमीन पर बैठकर संवाद करते दिखाई दिए. यूपी चुनाव से पहले अखिलेश यादव का हमलावर होना, चुनाव से पहले एक्टिव होने का संकेत है. अखिलेख के मुताबिक, बीजेपी गाय और धर्म का इस्तेमाल सिर्फ राजनीतिक लाभ के लिए करती है.

यूपी की 140 सीटों पर नजर; दलित वोट बैंक पर सियासी जंग तेज, क्या है सपा, कांग्रेस और बीजेपी की रणनीति?

(यंग भारत न्यूज)

मेरठ: उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 नजदीक होने के चलते एकाएक दलितों को दिल में उतारने की दिलचस्पी बढ़ती नजर आ रही हैं। एक तरह से 'डी' फैक्टर पर यूपी की सियासत की सुई अटक सी गई हैं। भाजपा, सपा, बसपा, कांग्रेस, आसपा सभी दल इस बार दलितों को साधने में सक्रिय हो गए हैं। सियासी जानकार इसे सियासी दलों का दलित प्रेम बता रहे हैं।

यूपी में दलितों की जनसंख्या करीब 21 प्रतिशत है। दलित 140 से अधिक विधानसभा सीटों पर चुनावी परिणामों को सीधे प्रभावित करते हैं। वेस्ट यूपी में दलित खासा दबदबा रखते हैं। बिजनौर में 20.94, आगरा में 21.78, सहारनपुर में 21.73, बुलंदशहर में 20.21, अलीगढ़ में 21.20 प्रतिशत दलित आबादी है, जबकि मेरठ में 18.44, गाजियाबाद में 18.40, गौतमबुद्धनगर में 16.31, मुरादाबाद में 15.86 , मुजफ्फरनगर में 13.50, रामपुर में 13.38. बरेली में 12.65 और बागपत में 10.98 प्रतिशत दलित आबादी है।

यूपी गवर्नर बोलीं- 'लड़कियां पढ़ाई के समय प्रेग्नेंट...', जबकि 15 साल में 9.2% घटी ग्रोथ, कैसे गलत साबित हुईं राज्यपाल?

(यंग भारत न्यूज)

7 जुलाई 2026 को उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने लखनऊ के डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम टेक्निकल यूनिवर्सिटी के 24वें दीक्षांत समारोह में एक बयान दिया, जिसने सियासी और सामाजिक हलचल मचा दी.राज्यपाल ने कहा, 'पढ़ाई के दौरान लड़कियां प्रेग्नेंट हो जाती हैं. कइयों को बच्चा भी हो जाता है. उस बच्चे की जिम्मेदारी सरकार पर जाती है. ऐसा पराक्रम आप लोग मत करिए. शादी आत्मनिर्भर होने के बाद ही करें.' लेकिन क्या इसके फैक्ट सही हैं, क्या सच में पढ़ाई के दौरान लड़कियां प्रेग्नेंट हो रही हैं?

राज्यपाल के बयान में 'लड़कियां प्रेग्नेंट हो जाती हैं' को एक आम बात के तौर पर पेश किया गया है. लेकिन राष्ट्रीय आंकड़े कुछ और ही कहानी बताते हैं. राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 के मुताबिक, 15-19 साल की 6.8% लड़कियां या तो गर्भवती थीं या उन्होंने बच्चे को जन्म दिया था. यानी 100 में से 93 लड़कियां इस उम्र में गर्भवती नहीं हैं. इससे भी अहम बात है कि किशोर गर्भावस्था की दर लगातार घट रही है. ह्स्न ।स-3 में यह 16% थी, ह्स्न ।स-4 में घटकर 7.9% हुई और ह्स्न ।स-5 में और घटकर 6.8% पर आ गई. यानी पिछले 15 सालों में यह आंकड़ा आधे से भी ज्यादा घट चुका है. संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष 2025 के डेटा के मुताबिक, भारत में किशोर प्रजनन दर 14.1 प्रति 1000 है. यानी 15-19 साल की 1,000 लड़कियों में से 14 गर्भवती होती हैं. दूसरे देशों से तुलना करें तो चीन में यह 6.6, श्रीलंका में 7.3 और थाईलैंड में 8.3 है.राज्यपाल का बयान 'हर लड़की' या 'ज्यादातर लड़कियों' की बात करता है, जबकि हकीकत यह है कि यह 6-7% लड़कियों का मामला है और यह आंकड़ा लगातार घट रहा है. आनंदीबेन पटेल उत्तर प्रदेश की राज्यपाल हैं और उन्होंने बयान भी वहीं दिया, तो देखते हैं यूपी के आंकड़े. हाल ही में जारी ह्स्न ।स-6 (2024-25) के मुताबिक, उत्तर प्रदेश में 15-19 साल की लड़कियों में किशोर गर्भावस्था की दर 3.5% है. NFHS -5 में यह 4% थी. यानी क्र में यह दर राष्ट्रीय औसत (6.8%) से काफी कम है और इसमें गिरावट भी आ रही है. दिलचस्प बात यह है कि NFHS-6 रिपोर्ट में क्रमें किशोर गर्भावस्था बढ़ने (2.9% से 3.5%) की बात भी कही गई है, लेकिन यह सर्वेक्षण पद्धति या नमूने में बदलाव की वजह से है, क्योंकि दूसरे आंकड़ों में गिरावट दिख रही है. यानी क्रमें भी किशोर गर्भावस्था राष्ट्रीय औसत से कम है और घट रही है. राज्यपाल ने अपने बयान में 'सरकार पर बोझ' और 'पराक्रम' जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया. उन्होंने सीधे तौर पर लड़कियों को 'ऐसा पराक्रम मत करिए' कहकर नसीहत दी. राज्यपाल ने छात्रों से बहुत अनौपचारिक अंदाज में बात की. उन्होंने अपने बेटे का उदाहरण देते हुए कहा कि वे लव मैरिज की विरोधी नहीं हैं, बल्कि आत्मनिर्भर होने के बाद ही शादी करने की सलाह दे रही हैं. हालांकि, यह बयान दो मोर्चों पर गलत है: गलत फैक्ट्स: जैसा कि ऊपर दिखा, किशोर गर्भावस्था आम बात नहीं है. यह 6-7% लड़कियों का मामला है और लगातार घट रहा है. राज्यपाल ने इसे 'सामान्य घटना' की तरह पेश किया. संवेदनशीलता के लिहाज से: किशोर गर्भावस्था अक्सर बाल विवाह, सामाजिक-आर्थिक पिछड़ापन, शिक्षा की कमी और यौन शोषण से जुड़ी होती है. NFHS -5 के आंकड़े बताते हैं कि बिना शिक्षा वाली लड़कियों में किशोर गर्भावस्था 19.2% है, जबकि ज्यादा पढ़ी-लिखी लड़कियों में यह सिर्फ 2.9% है. राज्यपाल ने सरकार पर बोझ की बात कही

'विकसित भारत कॉन्क्लेव' में शिशिर बजाज को 'महाराष्ट्र के गौरव' सम्मान

उद्योग, राष्ट्र निर्माण एवं सामाजिक सेवा में शताब्दी भर की गौरवशाली विरासत को मिला राष्ट्रीय सम्मान

(यंग भारत न्यूज)

ललितपुर, 8 जुलाई। बजाज समूह के चेयरमैन एमेरिटस एवं बजाज फाउंडेशन के अध्यक्ष श्री शिशिर बजाज को भारतीय उद्योग, विशेषकर चीनी एवं एथेनॉल क्षेत्र में उनके असाधारण योगदान, ग्रामीण विकास के प्रति समर्पण तथा सामाजिक परिवर्तन में उनके उल्लेखनीय कार्यों के लिए प्रतिष्ठित 'महाराष्ट्र के गौरव' सम्मान से सम्मानित किया गया।

नई दिल्ली स्थित हयात रीजेंसी में मंगलवार को आयोजित आयोजित 'विकसित भारत कॉन्क्लेव' के दौरान प्रतिष्ठित कॉफी टेबल बुक 'महाराष्ट्र के गौरव' का लोकार्पण केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी तथा अन्य केंद्रीय मंत्रियों, नीति-निर्माताओं, उद्योग जगत की अग्रणी हस्तियों और देशभर से आए विशिष्ट अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति में किया गया। कॉफी टेबल बुक के विशेष संस्करण में श्री शिशिर बजाज के जीवन, नेतृत्व और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान पर नौ पृष्ठों का विस्तृत आलेख प्रकाशित किया गया है। इसमें संस्थापक श्री जमनालाल बजाज की राष्ट्रसेवा, स्वदेशी, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं मानवीय मूल्यों की विरासत को आगे बढ़ाने में श्री शिशिर बजाज की महत्वपूर्ण भूमिका का विस्तृत उल्लेख किया गया है। श्री शिशिर बजाज के नेतृत्व में बजाज हिंदुस्तान शुगर लिमिटेड ने उल्लेखनीय प्रगति करते हुए दो चीनी मिलों से बढ़कर चौदह चीनी मिलों तथा एक डिस्टिलरी से बढ़कर छह डिस्टिलरी तक विस्तार किया। कंपनी आज देश की अग्रणी एकीकृत चीनी एवं एथेनॉल उत्पादक कंपनियों में शामिल है तथा भारत की जैव ईंधन नीति और ऊर्जा सुरक्षा को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है।

उनके दूरदर्शी नेतृत्व में समूह ने ऊर्जा क्षेत्र में भी उल्लेखनीय विस्तार किया। वर्तमान में समूह के चेयरमैन श्री कुशाग्र नयन बजाज के नेतृत्व में बजाज समूह चीनी, एथेनॉल, उपभोक्ता उत्पाद एवं विद्युत उत्पादन सहित विभिन्न क्षेत्रों में निरंतर नई उपलब्धियाँ हासिल कर रहा है। बजाज एनर्जी लिमिटेड एवं ललितपुर पावर जेनरेशन कंपनी लिमिटेड के माध्यम से समूह 2430 मेगावाट तापीय विद्युत उत्पादन क्षमता के साथ उत्तर प्रदेश की ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है तथा भविष्य की ऊर्जा आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए सतत एवं उन्नत ऊर्जा समाधान विकसित करने की दिशा में कार्यरत है। कॉफी टेबल बुक में बजाज फाउंडेशन द्वारा जल संरक्षण, नदी पुनर्जीवन, प्राकृतिक खेती, महिला सशक्तिकरण, कौशल विकास, नवीकरणीय ऊर्जा तथा ग्रामीण आजीविका के क्षेत्र में किए जा रहे व्यापक कार्यों का भी उल्लेख है। महाराष्ट्र, राजस्थान एवं उत्तर प्रदेश के 2,000 से अधिक गांवों में संचालित विभिन्न परियोजनाओं के माध्यम से अब तक 22 लाख से अधिक लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाया गया है।

सीडीओ ने किया विकास खंड कार्यालय का निरीक्षण

-अनियमितताए मिलने पर सचिवो को लगायी कड़ी फटकार

(यंग भारत न्यूज)

कोंच विकास खंड कार्यालय का मुख्य विकास अधिकारी के.के. सिंह ने गुरुवार को निरीक्षण कर विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की। इस दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना के पात्र लाभार्थियों की सूची अब तक पोर्टल पर अपलोड न करने वाले सचिवों को उन्होंने कड़ी फटकार लगाई और शीघ्र ही सूची अपलोड करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान सीडीओ ने कहा कि गांवों में आवास के पात्र आवेदकों की सूची समय से पोर्टल पर अपलोड की जानी थी, लेकिन कई सचिव अभी तक यह कार्य पूरा नहीं कर सके हैं। उन्होंने संबंधित सचिवों को चेतावनी देते हुए तत्काल सूची अपलोड करने के निर्देश दिए। सीडीओ ने संचारी रोगों की रोकथाम को लेकर सभी ग्राम पंचायतों में विशेष साफ-सफाई अभियान चलाने, कीटनाशक दवाओं का छिड़काव कराने तथा ग्रामीणों को जागरूक करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने गौशालाओं की व्यवस्था की समीक्षा करते हुए बताया कि कैथी गौशाला का संचालन एनजीओ को सौंपा जा चुका है, जबकि अंडा और पिंडारी गौशालाओं का संचालन भी जल्द ही एनजीओ को हस्तांतरित करने के लिए खंड विकास अधिकारी को निर्देशित किया गया है। नमामि गंगे योजना के तहत पाइपलाइन बिछाने के लिए खोदी गई सड़कों की मरम्मत के संबंध में सीडीओ ने बताया कि इसके लिए जल निगम को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। मरम्मत कार्य पूरा होने के बाद संबंधित सड़कें ग्राम पंचायतों को हस्तांतरित कर दी जाएंगी। निरीक्षण के दौरान राम अयोध्या प्रसाद, खंड विकास अधिकारी यज्ञदेव कुमार सहित सभी ग्राम पंचायत सचिव और ब्लॉक कार्यालय के कर्मचारी उपस्थित रहे।

अवैध निर्माण, रास्ता अवरुद्ध करने और 20 लाख रुपये की रंगदारी मांगने के मुझ पर लगाए गए आरोपी निराधार हैं-पुष्पेंद्र

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई । भाजपा नेता पुष्पेंद्र सिंह ने उन पर लगाए गए अवैध निर्माण, रास्ता अवरुद्ध करने और 20 लाख रुपये की रंगदारी मांगने के आरोपों को पूरी तरह निराधार और मनगढ़ंत बताया है। उन्होंने कहा कि जिस भूमि पर निर्माण कार्य कराया जा रहा है, वह उनकी विधिवत स्वामित्व वाली निजी संपत्ति है और कुछ लोग उस पर अवैध कब्जा करने की मंशा से बेबुनियाद आरोप लगाकर उन्हें बदनाम करने का प्रयास कर रहे हैं।

पुष्पेंद्र सिंह ने कहा कि संबंधित भूमि उनके स्वामित्व में है और सभी वैधानिक दस्तावेज उनके पास उपलब्ध हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्माण कार्य पूरी तरह उनकी निजी जमीन पर कराया जा रहा है, किसी सार्वजनिक रास्ते या पार्किंग स्थल पर नहीं। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों द्वारा निजी स्वार्थ के चलते निर्माण कार्य में बाधा उत्पन्न करने के उद्देश्य से झूठी कहानी गढ़ी जा रही है। भाजपा नेता ने कहा कि उनसे 20 लाख रुपये की रंगदारी मांगने का आरोप पूरी तरह काल्पनिक और तथ्यहीन है। उन्होंने बताया कि इस प्रकार के आरोप पहले भी लगाए जा चुके हैं, जिनकी संबंधित अधिकारियों द्वारा जांच की गई थी और मामला निराधार पाया गया था। उन्होंने कहा कि बार-बार झूठे आरोप लगाकर उनकी सामाजिक और राजनीतिक छवि धूमिल करने का प्रयास किया जा रहा है। पुष्पेंद्र सिंह ने प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग करते हुए कहा कि सत्य सामने आने पर यह स्पष्ट हो जाएगा कि निर्माण उनकी निजी भूमि पर किया जा रहा है और उनके विरुद्ध लगाए गए सभी आरोप पूरी तरह असत्य हैं।

तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर रेलिंग से टकराई, युवक गंभीर रूप से घायल

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। नैनीताल से बाइक से घूमकर लौट रहे युवक की तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर रेलिंग से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हुई। मौके पर पहुंची यूपीडा की एंबुलेंस सेवा से घायल बाइक सवार को सीएचसी पहुंचाया गया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे उच्च संस्थान रेफर कर दिया गया। कोंच कोतवाली क्षेत्र के ग्राम दाढ़ी निवासी शिवनाम सिंह व उसके कुछ साथी अपनी अपनी बाइकें लेकर नैनीताल घूमने गए थे। गुरूवार की सुबह करीब साढ़े छह बजे वह बाइक लेकर छिरिया चौकी क्षेत्र में बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे के किमी संख्या 203 के पास पहुंचे। जहां अचानक से बाइक लेकर चल रहे शिवनाम की बाइक अनियंत्रित हो गई। वह बाइक पर सतुलन नहीं रख सका और बाइक बेकाबू होकर सड़क किनारे रेलिंग से टकरा गई। हादसे में बाइक सवार शिवनाम बाइक समेत सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। उसके साथियों ने तत्काल हादसे की सूचना एंबुलेंस सेवा को दी। मौके पर पहुंची यूपीडा की एंबुलेंस सेवा से घायल शिवनाम को सीएचसी पहुंचाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर हालत को देखते हुए उसे उच्च संस्थान रेफर कर दिया गया।

मारपीट की शिकायत कोतवाली में करने पर विपक्षी ने युवक की फिर कर दी पिटाई

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। एक बार विपक्षी द्वारा मारपीट किए जाने की शिकायत कोतवाली में करने पर विपक्षी ने रंजिश के चलते दूसरी बार पिटाई कर दी। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की है। कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला कछोरन निवासी सूरज ने पुलिस को बताया कि उनके मोहल्ले के ही पुनू उर्फ निखिल ने पूर्व में उसके साथ मारपीट की थी। जिसकी शिकायत उसने कोतवाली में की थी। इससे नाराज पुनू उससे रंजिश मान बैठा। आरोप लगाया कि इसी को लेकर गुरूवार की सुबह जब वह रास्ते में जा रहा था पुनू ने जबरन उसे रोककर उसके साथ गाली, गलौज करते हुए पिटाई कर दी। उसे पिटता देख जब मोहल्ले के लोग बचाने के लिए आए तो वह धमकी देकर भाग गया। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की है।

बस कंडक्टर के साथ नशे मारपीट करने एवम पीआरवी पर लूट की झूठी सूचना देने के आरोप में पुलिस ने आरोपी का किया शांतिभंग में चालान

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। स्लीपर बस में किराए को लेकर कंडक्टर के साथ शराब के नशे में हाथपाई करने और पीआरवी पर लूट की झूठी सूचना देने पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ शांतिभंग की कार्रवाई की है। गोहन थाना क्षेत्र के ग्राम खिटौली निवासी विष्णु कुमार स्लीपर बस से इटावा की ओर से जालौन आ रहा था। बस में किराए को को लेकर शराब के नशे में उसका कंडक्टर के साथ विवाद हो गया। जिस पर उसने पीआरवी पर बस में उसके साथ लूट होने और उसके रुपये छीनने का आरोप लगाते हुए शिकायत कर दी। लूट की सूचना पर सक्रिय हुई पुलिस ने जब बस को रूकवाकर मामले की जांच की तो मामला झूठा पाया गया और किराए को लेकर विवाद का मामला सामने आया। जिसके बाद पुलिस ने लूट की झूठी सूचना देने वाले विष्णु कुमार के खिलाफ शांतिभंग की कार्रवाई की है।

यूपीआई के जरिए धोखाधड़ी कर खाते से 1 लाख 37 हजार 400 रुपये निकाले

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। नवी ऐप डाउनलोड कराने के बहाने एक युवक द्वारा ठगी कर रकम को अपने बैंक खाते में ट्रांसफर करा लिया। यूपीआई के जरिए धोखाधड़ी कर खाते से 1 लाख 37 हजार 400 रुपये निकाले के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कोतवाली में तैनात एसआई शिवम सिंह सेंगर द्वारा आठ जुलाई को दी गई रिपोर्ट के आधार पर कोतवाली में मुकदमा दर्ज किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार पीड़ित विक्रम ने नवी ऐप डाउनलोड किया था, जिसके बाद उसके खाते से बिना अनुमति के पैसे कट गए। जांच में सामने आया कि 12 जून 2026 को भारतीय स्टेट बैंक की जालौन शाखा से दो ट्रांजेक्शन के जरिए कुल 1,37,400 रुपये निकाले गए। इसमें पहले 45,000 रुपये और दूसरी बार में 92,400 रुपये ट्रांसफर किए गए। पुलिस जांच में यह खाता नगर के मोहल्ला जोशियाना निवासी रिषी तिवारी पुत्र कौशल किशोर नाम पर पाया गया। इस खाते का उपयोग फिशिंग, एपीके फाइल स्कैम, मोबाइल हैकिंग जैसे साइबर अपराधों से प्राप्त धन के लेन-देन के लिए किया जा रहा था। तमिलनाडु के तिरुपुर सिटी में शिकायत संख्या 32906260042340 और राजस्थान के सवाई माधोपुर जिले के वजीरपुर थाने में भी इसी खाते के विरुद्ध शिकायत दर्ज है।कोतवाली प्रभारी हरीशंकर चन्द ने बताया कि मामले में आरोपी रिषी तिवारी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। प्रकरण की जांच निरीक्षक विवेक कुमार मौर्य को सौंपी गई है। पुलिस ने बैंक से खाता फ्रीज कराने और धनराशि होल्ड कराने की प्रक्रिया शुरू की है।

छात्रा ने तीन छात्रों पर फ्रेंड रिक्वेस्ट कन्फर्म न करने पर विवाद करने का लगाया आरोप

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। नगर में संचालित एक लाइब्रेरी पर तैयारी कर रही छात्रा ने लाइब्रेरी के तीन छात्रों पर फ्रेंड रिक्वेस्ट न कन्फर्म न करने पर उसके साथ विवाद करने का आरोप लगाया है। छात्रा की शिकायत पर पुलिस तीनों छात्रों के खिलाफ कार्रवाई की है।

नगर में उप डाकघर के पास संचालित एक लाइब्रेरी में अध्यापक व पुलिस की तैयारी कर रही छात्रा ने लाइब्रेरी के तीन छात्रों पर उनकी फ्रेंड रिक्वेस्ट कन्फर्म न करने पर लाइब्रेरी के बाहर उसे रोककर उसके साथ विवाद करने का आरोप लगाया है। पीड़िता ने बुधवार की शाम युवकों पर उसकी बात न मानने पर जिंदगी बर्बाद करने का आरोप लगाया। छात्रा के चिल्लाने के बाद भीड़ लग गई और पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही एसआई शिवम सेंगर व डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची। युवती की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी तोपखाना निवासी आसिव, सुढ़ार निवासी शैलेश व वीरप्रताप को पकड़कर उनके खिलाफ कार्रवाई की है।

प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना लाभार्थियों को संबंधित शाखा प्रबंधक शीघ्र ऋण उपलब्ध करायें-उप जिलाधिकारी

(यंग भारत न्यूज)

कालपी जालौन 9 जुलाई। जिलाधिकारी राजेश कुमार पांडे के निर्देश पर प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के ऋण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से उप जिलाधिकारी की अध्यक्षता में तथा शाखा प्रबंधकों की मौजूदगी में बैठक आयोजित की गई बीते दिन तहसील कालपी कार्यालय में आयोजित बैठक पर एसडीम अमित शेखर ने मौजूद शाखा प्रबंधकों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि जिन शाखाओ में प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत लाभार्थियों के ऋण उपलब्ध कराने के लिए 1527 फॉर्म भेजे गए हैं बैंक से संबंधित शाखा प्रबंधको ने 1409 फॉर्मो की स्वीकृत कर लाभार्थियों को ऋण उपलब्ध कराया गया है जिसमें 118 फार्म लंबित चल रहे हैं लंबित चल रहे फार्मो को शीघ्र स्वीकृत कर लाभार्थियों को ऋण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए सरकार के आदेश के तहत फुटपाथ लाभार्थियों को शाखा प्रबंधकों न ऋण उपलब्ध कराने में यदि देरी की ऐसे शाखा प्रबंधक की खैर नहीं होगी नगर पालिका परिषद कालपी योजना से संबंधित लिपिक इरफान मंसूरी ने कहा कि सिर्फ हमारे 118 फार्म लंबित चल रहे हैं जो भी फॉर्म लाभार्थियों के द्वारा पालिका में जमा किए जाते हैं उनको संबंधित शाखों में ऋण उपलब्ध कराने के लिए भेज देते हैं बैठक में मौजूद भारतीय स्टेट बैंक कालपी शाखा प्रबंधक आशीष यादव इंडियन शाखा इलाहाबाद बैंक शाखा प्रबंधक धीरज राजपूत केनरा बैंक शाखा प्रबंधक अविनाश प्रजापति आदि लोग मौजूद थे।

एसडीएम नगर पंचायत में गंदगी पाए जाने पर भड़क उठे तथा बेहतर सफाई कराने के दिए निर्देश

(यंग भारत न्यूज)

कालपी जालौन 9 जुलाई। उप जिलाधिकारी/अधिशाषी अधिकारी ने कदौरा नगर पंचायत में अचानक पहुंचे वहीं निरीक्षण दौरान गंदगी पाए जाने पर मौजूद कर्मचारियों से नाराज़गी जाहिर की तथा मौजूद सफाई निरीक्षक को फटकार लगाकर सफाई कराने के निर्देश दिए।

गुरुवार की शाम उप जिलाधिकारी अमित शेखर जैसे ही अचानक नगर पंचायत कदौरा में पहुंचे वहीं मौजूद कर्मियों में हड़कंप मच गया उन्होंने पूरे नगर पंचायत में चारों तरफ भ्रमण कर सफाई व्यवस्था का जायजा लिया भ्रमण दौरान सर्वाधिक गंदगी पाए जाने पर मौजूद जिम्मेदार को फटकार लगा सफाई करने के निर्देश दिए साथ में उन्होंने मौजूद कर्मचारियों से कहा कि गंदगी से ही संचारी रोग फैलता है रोग को दूर भगाने के लिए बराबर अभियान चल रहा है इसलिए कमरों से लेकर मकान के आसपास तथा कार्यालय से लेकर आसपास जगह में बेहतर सफाई कराये तथा नाली में जल भराव न हो पानी की निकासी कराये यदि कहीं भी जल भराव होता है ऐसे पानी को कटान कर पानी निकलवाने के निर्देश दिए उन्होंने कहा कि यदि मैं दोबारा आया यदि नगर पंचायत कार्यालय से लेकर नगर के मोहल्लों में कहीं भी गंदगी पाई गई सफाई निरीक्षक एवं सफाई कर्मी दंड पाने को तैयार रहें गंदगी मिलने पर किसी भी सूरत में जिम्मेदार को बक्सा नहीं जाएगा।

मिशन शक्ति टीम ने पति पत्नी में सुलह समझौता कराया

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। पति-पत्नी के विवाद का मामला कोतवाली पहुंचा। जहां मिशन शक्ति टीम ने दोनों पक्षों में सुलह समझौता करा दिया। कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला पुरानीहाट निवासी राजकीन ने पुलिस को बताया कि उसके पति अलताफ उसके साथ गाली, गलौज व मारपीट करते हैं। गुरूवार को भी उन्होंने उसके साथ मारपीट की। सूचना मिलते ही मिशन शक्ति केंद्र प्रभारी संजय यति सक्रिय हुए। पति अलताफ को बुलाया। साथ ही दोंनों पक्षों के परिजनों को बुलाया गया। मिशन शक्ति केंद्र प्रभारी व महिला कांस्टेबल काश्मीरा सागर ने पहले दोनों पक्षों से अलग-अलग वार्ता की और बाद में संयुक्त रूप से बात की गई। इस दौरान पति अलताफ ने पत्नी राजकीन को आश्वस्त कि वह भविष्य में किसी प्रकार का विवाद नहीं करेगा। पति-पत्नी के रूप में आपसी सहयोग एवं जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए पारिवारिक जीवन व्यतीत करेगा। जिससे दोनों पक्ष संतुष्ट दिखे।

लेन देन को लेकर विवाद कर रहे दो लोगों पर पुलिस ने

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। लेन देन को लेकर दो लोगों के बीच हुए विवाद का मामला कोतवाली पहुंचा। जहां पुलिस ने दोनों के खिलाफ शांतिभग की कार्रवाई की है। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम कुसमरा में राजा भैया और सूर्य प्रताप के बीच लेन देन को लेकर विवाद था। लेन देन को लेकर बुधवार की रात दोनों के बीच विवाद होने लगा। विवाद बढ़ता हुआ गाली, गलौज और मारपीट तक पहुंच गया। वहां मौजूद लोगों ने दोनों को समझाने की कोशिश की। न मानने पर उन्होंने इसकी सूचना कोतवाली पुलिस को दे दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों के खिलाफ शांतिभंग की कार्रवाई की।

ब्लॉक प्रमुख विवाद में रिंकू सिंह राही ने एडीएम को भेजा 17 सूत्री जवाब

धमकी, और प्रलोभनको यदि उजागर कर दिया जाए तो ब्लॉक प्रमुख के खिलाफ एफआइआर करानी ही होगी

(यंग भारत न्यूज)

उरई। जालौन ब्लाक प्रमुख राम राजा निरंजन एवं तत्कालीन एसडीएम आईएएस रिंकू सिंह राही के बीच कोल्ड स्टोरेज के निरीक्षण के दौरान हुए विवाद के मामले की जांच जिलाधिकारी राजेश कुमार पांडे ने तत्काल प्रभाव से एडीएम राजस्व राजीव कुमार राज को सौंप दी थी द्य जिलाधिकारी में तत्काल प्रभाव से एसडीएम जालौन रिंकू सिंह राही को उरई में ज्वाइंट मजिस्ट्रेट बना दिया थाद्य उधर ज्वाइंट मजिस्ट्रेट ने जांच अधिकारी एडीएम को अपने 17 बिंदुओं में अपने साक्ष्य देते हुए अपना पक्ष रखा है द्य इस दौरान अपने प्रस्तुत किए गए साक्षो में रिंकू सिंह राही ने यह भी आरोप ब्लॉक प्रमुख पर लगाया है कि उन्होंने उन्हें यह धमकी दी की है कोल्ड स्टोरेज मंत्री जी का और उन्होंने लेनदेन का भी प्रलोभन दिया यदि उसे बातचीत को उजागर कर दिया जाए तो फिर ब्लॉक प्रमुख के विरुद्ध एफआईआर करना जरूरी हो जाएगा द्य एडीएम को भेज अपने जवाब में ज्वाइंट मजिस्ट्रेट रिंकू सिंह ने बताया है कि बीती23 जून को जालौन के बेटवा कोल्ड स्टोरेज के निरीक्षण के दौरान उनके और ब्लॉक प्रमुख जालौन राम राजा निरंजन के बीच विवाद हुआ था द्य रिंकू सिंह ने अपने जवाब में बताया है की उन्होंने ढाई मिनट का समय कागज लाने के लिए नहीं कहा था बल्कि 20 मिनट का समय कहा था लेकिन उनका जोर ऑफिस में बैठकर प्रलोभन देने का था जो उन्होंने अस्वीकार कर दिया द्य उन्होंने कहा की ब्लॉक प्रमुख का बहुत जोर था कि कार्यालय में ही बैठकर वे सब कागजात दिखाएंगे उन्हें प्रलोभन देने की भी कोशिश की गई इसके साथ-साथ धमकीभी दी गई द्य साथ-साथ ऐसी बातें भी कही गई जो नियम विरुद्ध और बहुत अनुचित थी द्य उन्होंने कहा कि वह बातें और वह धमकी यदि आज उजागर कर दी जाए तो ब्लॉक प्रमुख के खिलाफ एफआईआर करवाना जरूरी हो जाएगाद्य उपजिला अधिकारी श्री राही नेयह भी आरोप लगाया कि उन्हें विवाद की ओर उकसानेका बार बार प्रयास किया गयाद्य उन्होंने बताया कि निरीक्षण के दौरान उनहे ध्यान आया कि निरीक्षण की मार्गदर्शिका उनके कार्यालय में छूट गई है उन्होंने अपने गनरको उसे लेने के लिए कार्यालय भेजो, निरीक्षण के दौरान जब वह अपने मोबाइल से कोल्ड स्टोरेज लगे फायर सेफ्टी की पड़ताल करने लगे, तो गनरकी गैर मौजूदगी में ब्लॉक प्रमुख और उनके लोग भी वीडियो बनाने लगे और बनाते-बनाते मेरे चेहरे की तरफ मोबाइल लेआएतो मैंने उसे हाथ से हटा दियाद्य जिसे ब्लॉक प्रमुख ने चांटा मारनेके प्रयास की बात कहकर प्रचारित किया, उन्होंने जब सेफ्टी फायर की मार्केट ड्रिल की बात कही तो बताया गया कि प्रशिक्षित स्टाफ नहीं है यानी अग्नि दुर्घटना होने पर उसे नियंत्रित नहीं किया जासकेगाद्य× इसे ठीक करने के लिए उन्होंने ब्लॉक प्रमुख और स्टाफ को 15 दिन का समय भी दियाद्य मेरी और मोबाइल से वीडियो बनाते समय ब्लॉक प्रमुख और उनके साथी जब मेरी चेहरे और शरीर की तरफ बढ़े तो मुझे महसूस हुआ कि मैं गनर को फाइल लेने के लिए भेज कर उनहोने गलती की है और उन्हें पास आने पर मैंने धक्का देकर अपनी सुरक्षा के लिए उन्हें हटायाद्य उनके ऊपर जो ब्लॉक प्रमुख ने चांटा मारने या भद्र करने का आरोप लगाया है वह निराधार और भी बुनियाद हैद्य एडीएम को दिए अपने जवाब में ज्वाइंट मजिस्ट्रेट रिंकू सिंह ने कहा है उन्हें जब यह महसूस होने लगा कि उनके साथ कोई अपनी घटना घट सकती है तो उन्होंने निरीक्षण को समेटे हुए दूसरे कोल्ड स्टोरेज के निरीक्षण के लिए चले गए थेद्य उन्होंने कहा कि उनके ऊपर लगाए गए आप मनगढ़ंत और साजिश पूर्ण है इसकी गहराई से जांच की जाए तो दूध का दूध पानी का पानी हो जाएगा।

चौकी प्रभारी ने दो लोगों को गिरफ्तार कर किया शांति भंग में चालान

(यंग भारत न्यूज)

कालपी जालौन 9 जुलाई। एक ग्राम में दो लोगों को आपस में झगड़ा करना महंगा पड़ा वहीं चौकी प्रभारी ने गिरफ्तार कर जुर्म धारा 170 126 135 वीएनएस के तहत अभियुक्तों को पुलिस हिरासत में जेल भेजा।

पुलिस के मुताबिक कोतवाली कालपी प्रभारी निरीक्षक अजय ब्रह्म तिवारी के निर्देश पर ज्ञान भारती छौक चौकी प्रभारी विपिन यादव पुलिस बल के साथ गुरुवार के दिन क्षेत्र में भ्रमण कर रहे थे वही झगड़े की सूचना पाकर पहुंची पुलिस टीम ने ग्राम सरसेला निवासी गण देवांश गुप्ता पुत्र अनिल गुप्ता गौरव पुत्र संतोष समेत दोनों लोग किसी मामले को लेकर आपस में गाली गलौज कर झगड़ा को अंजाम दे रहे थे तभी पुलिस टीम ने चारों तरफ से घेर कर दबोचते हुए कोतवाली के हवालात में बंद किया उक्त घटना में कालपी पुलिस ने दोनों अभियुक्तों के खिलाफ अलग-अलग चालानी रिपोर्ट दर्ज कर अभियुक्तों को पुलिस हिरासत में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कालपी में डाक्टरी परीक्षण करा कर संबंधित अदालत में प्रस्तुत किया।

कोंच नगर पालिका का निरीक्षण, व्यवस्थाओं में सुधार के लिए जिलाधिकारी के सख्त निर्देश

सफाई, पेयजल, स्ट्रीट लाइट, कर वसूली, कूड़ा प्रबंधन एवं शौचालय संचालन की समीक्षा, समयबद्ध सुधार सुनिश्चित करने के निर्देश

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने आज नगर पालिका परिषद कोंच का निरीक्षण कर नगर की मूलभूत नागरिक सुविधाओं एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान सफाई व्यवस्था, स्ट्रीट लाइट, पेयजल आपूर्ति, कर वसूली, एमआरएफ सेंटर, सामुदायिक एवं पिंक शौचालयों के संचालन तथा अभिलेखों के रखरखाव की गहन जांच की गई। समीक्षा में विभिन्न बिंदुओं पर सुधार की आवश्यकता पाए जाने पर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध ढंग से कमियों को दूर करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कूड़ा प्रबंधन एवं स्टॉक रजिस्टर से संबंधित अभिलेख व्यवस्थित रूप से उपलब्ध नहीं मिले। वहीं स्ट्रीट लाइट के स्टॉक रजिस्टर में एलईडी लाइटों की खरीद, वितरण, खराब होने तथा वापस प्राप्त होने का समुचित विवरण भी दर्ज नहीं था। इस पर जिलाधिकारी ने व्यवस्थित अभिलेख संधारित करने तथा नगर की सभी खराब स्ट्रीट लाइटों को शीघ्र ठीक कर प्रकाश व्यवस्था सुदृढ़ करने के निर्देश दिए।

पिंक टॉयलेट एवं सामुदायिक शौचालय बंद पाए जाने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि नागरिक सुविधाओं से किसी प्रकार से बर्दास्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने सुबह, दोपहर एवं शाम नियमित कर्मचारियों की ड्यूटी निर्धारित कर शौचालयों का नियमित संचालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। पेयजल व्यवस्था की समीक्षा में नगर के नौ ट्यूबवेलों के संबंध में प्रस्तुत किए गए आंकड़ों में विसंगति पाए जाने पर जिलाधिकारी ने अधिशासी अधिकारी से स्पष्टीकरण तलब किया। उन्होंने कहा कि गलत सूचना देने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों की जिम्मेदारी तय की जाएगी। यदि जल संस्थान स्तर से गलत रिपोर्ट प्रस्तुत की गई है तो संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। कर वसूली एवं विज्ञापन शुल्क की समीक्षा में प्रगति अपेक्षानुरूप न मिलने पर जिलाधिकारी ने अधिशासी अधिकारी से स्पष्टीकरण मांगते हुए नगर पालिका की आय बढ़ाने के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार कर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।एमआरएफ सेंटर के संचालन एवं ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि प्रतिदिन उत्पन्न होने वाले कूड़े का वैज्ञानिक एवं व्यवस्थित निस्तारण किया जाए तथा उपलब्ध संसाधनों का पूर्ण उपयोग सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने बरसात के मौसम को देखते हुए नालों की सफाई, जल निकासी व्यवस्था एवं विशेष सफाई अभियान को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश भी दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि यह पूर्व निर्धारित निरीक्षण विशेष रूप से मानसून की तैयारियों का आकलन करने के उद्देश्य से किया गया है। निरीक्षण में जिन बिंदुओं पर कमियां पाई गई हैं, उनका समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने नगर में स्ट्रीट लाइट व्यवस्था को और बेहतर बनाने, सामुदायिक एवं पिंक शौचालयों के नियमित संचालन के लिए जवाबदेही तय करने तथा विकास कार्यों में तेजी लाने के लिए बोर्ड की बैठक शीघ्र आयोजित कर जनहित से जुड़े प्रस्तावों एवं लंबित टेंडरों का निस्तारण कराने के निर्देश दिए। नगर की सीवर समस्या को गंभीर बताते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि इसके स्थायी समाधान के लिए शासन स्तर पर प्रस्ताव भेजा जा चुका है तथा डीपीआर तैयार कर आगे की कार्रवाई की जाएगी। तब तक स्थानीय स्तर पर वैकल्पिक व्यवस्थाओं के माध्यम से जल निकासी की समस्या का प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जाए, जिससे बरसात के दौरान आमजन को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। इस अवसर पर प्रदीप गुप्ता ,मुख्य विकास अधिकारी केके सिंह, उप जिलाधिकारी हेमन्त पटेल, अधिशासी अधिकारी मोनिका उमराव आदि सभासद सहित सम्बंधित अधिकारी मौजूद रहे।

मंडोरी में दो माह की विवाहिता फांसी के फंदे पर झूली

-परस्थितिया संदिग्ध हैं, मायके पक्ष ने वर पक्ष पर लगाया दहेज हत्या का आरोप

-क्षेत्र में फैली सनसनी, पुलिस सभी बिंदुओं पर कर रही है जांच

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। गोहन थाना क्षेत्र के ग्राम मंडोरी में एक नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। विवाह के महज दो माह बाद हुई इस घटना ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। मृतका के मायके पक्ष ने ससुराल वालों पर हत्या का गंभीर आरोप लगाया है। उनका कहना है कि विवाहिता की हत्या करने के बाद शव को फंदे से लटकाकर आत्महत्या का रूप देने का प्रयास किया गया। वहीं पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी है। घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र किए गए हैं और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। अब सभी की निगाहें पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस जांच पर टिकी हैं।

मिली जानकारी के अनुसार थाना

गोहन क्षेत्र के ग्राम मंडोरी निवासी आशीष कुमार प्रजापति पुत्र राजाबाबू उर्फ लला के घर उनकी पत्नी संतोषी 28 वर्ष की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। बताया जा रहा है कि संतोषी का विवाह लगभग दो महीने पहले ही हुआ था। अचानक हुई इस घटना की सूचना मिलते ही गांव में हड़कंप मच गया और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए। घटना की सूचना मृतका के मायके ग्राम नैनापूर पहुंची तो परिजन तत्काल मंडोरी पहुंचे। अपनी बेटी का शव देखकर परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। मायके पक्ष ने ससुराल वालों पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि संतोषी की हत्या की गई है। उनका आरोप है कि घटना को आत्महत्या का रूप देने के लिए शव को फंदे से लटका दिया गया ताकि मामला सामान्य आत्महत्या का प्रतीत हो।परिजनों का कहना है कि उनकी बेटी की शादी को अभी दो महीने ही हुए थे और इस तरह अचानक मौत होना कई संदेह पैदा करता है। उन्होंने पुलिस से निष्पक्ष एवं गहन जांच की मांग करते हुए दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। घटना के बाद दोनों पक्षों के बीच तनाव का माहौल भी देखने को मिला। सूचना मिलते ही थाना गोहन पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और घटनास्थल को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू की। पुलिस ने मौके का बारीकी से निरीक्षण किया और आसपास मौजूद लोगों से पूछताछ की। मामले की गंभीरता को देखते हुए फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया गया, जिसने घटनास्थल से विभिन्न साक्ष्य एकत्र किए। पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।फिलहाल पूरे मामले की गहन विवेचना जारी है और पुलिस सभी संबंधित पक्षों से पूछताछ कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई तय की जाएगी।

मिलावटखोरों पर प्रशासन की सख्ती, 3 माह में वसूल किया गया 10.22 लाख का जुर्माना

जिलाधिकारी ने खाद्य एवं औषधि विभाग को दिए कड़े निर्देश, रंगयुक्त सब्जियों, दूध, मसालों और खाद्य तेल की नियमित सैंपलिंग के आदेश

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। जनपद में आमजन को सुरक्षित एवं शुद्ध खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की जिला स्तरीय सतर्कता समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में खाद्य पदार्थों में मिलावट करने वालों के विरुद्ध चल रही कार्रवाई की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि जनस्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वालों के प्रति किसी भी स्तर पर नरमी न बरती जाए तथा मिलावटखोरों के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रखा जाए।

बैठक में सहायक आयुक्त (खाद्य) डॉ. सी.आर. प्रजापति ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार चलाए गए विशेष अभियान के तहत जनपद में मिलावटखोरों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई की गई है। न्यायालय द्वारा अब तक कुल 10 लाख 22 हजार 500 रुपये का अर्थदंड अधिरोपित किया जा चुका है। दूध में मिलावट के दोषी पाए गए 09 व्यक्तियों पर अकेले 5 लाख 72 हजार 500 रुपये का जुर्माना लगाया गया है। उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष में 52 खाद्य पदार्थों के नमूने लिए गए, जिनमें 15 नमूने मानक के अनुरूप नहीं पाए गए। इन सभी मामलों में न्यायालय में वाद दायर किए गए तथा दोषी विक्रेताओं पर अर्थदंड लगाया गया। औषधि निरीक्षक ने बताया कि वर्ष के दौरान 37 मेडिकल प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर 26 औषधियों के नमूने लिए गए, जिनमें एक नमूना अधोमानक पाया गया। संबंधित प्रकरण में न्यायालय में वाद दायर कर विधिक कार्रवाई की जा रही है। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि जनपद के सभी मेडिकल स्टोरों को जीएसटी पंजीकरण के दायरे में लाकर पारदर्शी बिलिंग व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने गर्मी के मौसम को देखते हुए जूस, शीतल पेय एवं अन्य पेय पदार्थों की गुणवत्ता की विशेष निगरानी रखने तथा खाद्य पदार्थों में किसी भी प्रकार के हानिकारक रसायनों के प्रयोग पर पूर्ण प्रतिबंध सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।उन्होंने कहा कि बाजार में बिक रहे दूध, फल, रंगयुक्त परवल एवं भिंडी, मसाले, खाद्य तेल तथा अन्य खाद्य पदार्थों की नियमित सैंपलिंग कराई जाए। थोक एवं फुटकर विक्रेताओं पर लगातार निगरानी रखी जाए ताकि उपभोक्ताओं को सुरक्षित और शुद्ध खाद्य सामग्री उपलब्ध हो सके। जिलाधिकारी ने न्यायालयों में लंबित मामलों की प्रभावी पैरवी कर त्वरित निस्तारण तथा अधिरोपित जुर्मानों की शत-प्रतिशत वसूली सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (नमामि गंगे) प्रेमचन्द मौर्य, सहायक आयुक्त (खाद्य) डॉ. सी.आर. प्रजापति, औषधि निरीक्षक, मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी, व्यापार मंडल के प्रतिनिधि एवं स्वयंसेवी संगठनों के सदस्य उपस्थित रहे।

उरई-जालौन सुरक्षित विधानसभा सीट से रानी राजवंशी ने पेश की प्रबल दावेदारी

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज होने लगी हैं। इसी क्रम में कांग्रेस की सक्रिय कार्यकर्ता श्रीमती रानी राजवंशी, पत्नी वरिष्ठ कांग्रेसी नेता अखिलेश चौधरी, ने उरई-जालौन सुरक्षित विधानसभा सीट (221) से अपनी प्रबल दावेदारी प्रस्तुत की है। बताया जाता है कि अखिलेश चौधरी पिछले लगभग 35 वर्षों से कांग्रेस पार्टी के प्रति समर्पित होकर संगठन को मजबूत करने में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। उन्होंने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता Rahul Gandhi की नीतियों और विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का निरंतर प्रयास किया है। इसके साथ ही लोकसभा और विधानसभा चुनावों में कांग्रेस प्रत्याशियों के समर्थन में तन, मन और धन से सहयोग करते हुए चुनावी अभियानों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अब उन्होंने अपनी धर्मपत्नी श्रीमती रानी राजवंशी की उरई-जालौन सुरक्षित विधानसभा क्षेत्र से दावेदारी को लेकर जनसंपर्क अभियान भी शुरू कर दिया है। जनसंपर्क के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में लोगों से मुलाकात कर उनका आशीर्वाद और समर्थन प्राप्त किया जा रहा है। समर्थकों का कहना है कि श्रीमती रानी राजवंशी लंबे समय से सामाजिक और राजनीतिक गतिविधियों से जुड़ी रही हैं, जिसके चलते उन्हें क्षेत्र में सकारात्मक जनसमर्थन मिल रहा है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं का मानना है कि यदि पार्टी नेतृत्व श्रीमती रानी राजवंशी पर विश्वास जताता है, तो वह विधानसभा चुनाव में मजबूती के साथ कांग्रेस का प्रतिनिधित्व कर सकती हैं।

विकास खण्ड कोंच का जिलाधिकारी ने किया निरीक्षण, जनसुविधाओं को बेहतर बनाने के दिए निर्देश

- जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान, प्रभावी जनसुनवाई एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के व्यापक प्रचार-प्रसार पर दिया जोर

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने विकास खण्ड कोंच कार्यालय का निरीक्षण कर विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा अधिकारियों को जनहित से जुड़े कार्यों में गुणवत्ता एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान जलभराव वाले क्षेत्रों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि ऐसे स्थानों पर स्थायी समाधान के लिए पक्की सड़क के साथ दोनों ओर नालियों का निर्माण कराया जाए, ताकि वर्षा के दौरान जल निकासी सुचारु बनी रहे और लोगों को आवागमन में किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। जिलाधिकारी ने जनता दर्शन एवं जनसुनवाई व्यवस्था को और अधिक

प्रभावी एवं पारदर्शी बनाने पर विशेष बल दिया। उन्होंने खण्ड विकास अधिकारी को निर्देश दिए कि जनसुनवाई का निश्चित समय निर्धारित कर कार्यालय परिसर में प्रमुख स्थान पर प्रदर्शित किया जाए, जिससे आमजन को अधिकारियों से मिलने एवं अपनी समस्याएं रखने में सुविधा हो। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकता है। इसके लिए कार्यालय परिसर की दीवारों पर केंद्र एवं राज्य सरकार की सभी प्रमुख जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदर्शित कराई जाए, ताकि आने वाले नागरिक योजनाओं की पात्रता, लाभ एवं आवेदन प्रक्रिया की जानकारी आसानी से प्राप्त कर सकें। जिलाधिकारी ने अधिकारियों से कहा कि विकास कार्यों में गुणवत्ता, पारदर्शिता और समयबद्धता बनाए रखें तथा आमजन की समस्याओं का संवेदनशीलता के साथ त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना तथा नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी केके सिंह, उप जिलाधिकारी हेमन्त पटेल, खण्ड विकास अधिकारी आदि मौजूद रहे।

2027 विधानसभा चुनाव के कील काँटें दुरुस्त कर गए धर्मपाल सिंह

सिखाया बूथ का माइक्रो मैनेजमेंट

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने जागृति होटल उरई में आयोजित बूथ अध्यक्ष सम्मेलनों को संबोधित करते हुए बूथ स्तर के माइक्रो मैनेजमेंट समझाया और सोशल इंजीनियरिंग का मंत्र दिया। उन्होंने कहा कि मजबूत बूथ संरचना और कुशल बूथ प्रबंधन ही भाजपा की सुनिश्चित विजय का आधार बनेगा। 2027 के विधानसभा चुनाव की रणनीति के केंद्र में बूथ अध्यक्ष की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उनकी सक्रियता, निरंतरता और लक्ष्य-केंद्रित कार्यशैली ही

प्रत्येक परिणाम को विजय में परिणित करेगी। धर्मपाल सिंह ने कहा कि प्रत्येक बूथ पर नियमित बैठक होना चाहिए, बैठक का एजेंडा पूर्व निर्धारित हो और रजिस्टर मेंटेन करना है और अभियानों एवं कार्यक्रमों की समीक्षा के साथ आगामी कार्ययोजना पर चर्चा करना है। प्रत्येक बूथ पर पार्टी के सभी कार्यक्रम एवं अभियान प्रभावी ढंग से संपन्न हों, इसके लिए बूथ समितियों को सक्रिय बनाना आवश्यक है। प्रत्येक पदाधिकारी एवं सदस्य को उसकी क्षमता और योग्यता के अनुसार दायित्व सौंपा जाए। बूथ स्तर पर पदाधिकारी, कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि और वरिष्ठ नेता सभी को कार्ययोजना का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। 'मेरा बूथ, सबसे मजबूत' के संकल्प के साथ बूथ अध्यक्षों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का भाव भी होना चाहिए।

उन्होंने नए कार्यकर्ताओं और समर्थकों को पार्टी से जोड़ने पर जोर देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाना है। समाज के हर वर्ग के साथ निरंतर संवाद, संपर्क और सेवा कार्यों के माध्यम से बूथ को सशक्त बनाना ही हमारा लक्ष्य होना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि मजबूत बूथ ही भाजपा की चुनावी सफलता का मूल आधार है। उन्होंने सभी बूथ अध्यक्षों से आह्वान किया कि वे संगठन द्वारा निर्धारित प्रत्येक कार्यक्रम को पूर्ण निष्ठा, अनुशासन और प्रतिबद्धता के साथ क्रियान्वित करें। भाजपा का कार्यकर्ता परिश्रम का पर्याय है और अपने समर्पण से किसी भी परिणाम को अनुकूल बना सकता है। उन्होंने कहा कि आज का बूथ अध्यक्ष भविष्य में मंडल अध्यक्ष, जिलाध्यक्ष, प्रदेश अध्यक्ष या राष्ट्रीय अध्यक्ष बन सकता है और यह अवसर केवल भाजपा में ही संभव है।अंत में उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से अपने-अपने बूथ को आदर्श बूथ बनाने का संकल्प दिलाया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं की मेहनत, समर्पण और सुव्यवस्थित प्रबंधन के बल पर भारतीय जनता पार्टी 2027 में पुन: प्रचंड जनादेश प्राप्त करेगी मुख्य रूप से उपस्थित भाजपा प्रदेश मंत्री अनिल यादव जिला अध्यक्ष उर्विजा दीक्षित सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा मूलचंद्र निरंजन जिला पंचायत अध्यक्ष घनश्याम अनुरागी पुर्व संसद भानुप्रताप वर्मा संजीव उपाध्याय पूर्व जिलाध्यक्ष बृजभूषण सिंह रामेंद्र सिंह नागेंद्र गुप्ता उदयन पालीवाल पूर्व विधायक संतराम सेगर नरेंद्र जादौन जिला एवं मण्डल के पदाधिकारी उपस्थित रहे

11 जुलाई को उसरगांव (मड़ोरा) में लगेगा विधिक जागरूकता शिविर

विभिन्न विभागों के अधिकारियों को किया गया आमंत्रित

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। तहसील विधिक सेवा समिति, उरई की ओर से 11 जुलाई 2026 को ग्राम उसरगांव (मड़ोरा), कोंच रोड स्थित जूनियर हाईस्कूल परिसर में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह शिविर विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर आयोजित होगा, जिसमें जनसंख्या नियंत्रण, पर्यावरण कानून, बाल विवाह रोकथाम, महिला सशक्तिकरण तथा महिलाओं के संरक्षण से जुड़े विभिन्न कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी जाएगी।

सचिव/तहसीलदार, तहसील विधिक सेवा समिति ने मुख्य चिकित्साधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला प्रोबेशन अधिकारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी, खंड विकास अधिकारी डकोर, श्रम प्रवर्तन अधिकारी, खंड शिक्षा अधिकारी (शहर), बाल विकास परियोजना अधिकारी (शहर) तथा पूर्ति निरीक्षक उरई सहित संबंधित विभागों के अधिकारियों को पत्र भेजकर शिविर में सहभागिता सुनिश्चित करने का अनुरोध किया है। यह कार्यक्रम जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जालौन के अपर जिला जज एवं सचिव के निर्देशानुसार आयोजित किया जा रहा है। शिविर में योगेंद्र सिंह तखेले (पीएलवी) को टीम लीडर नामित किया गया है। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम का आयोजन 11 जुलाई 2026 को प्रात: 11:00 बजे जूनियर हाईस्कूल, उसरगांव (मड़ोरा), कोंच रोड, उरई में होगा। शिविर के माध्यम से ग्रामीणों को कानून संबंधी अधिकारों, सरकारी योजनाओं, बाल विवाह की रोकथाम, महिला अधिकारों, पर्यावरण संरक्षण तथा अन्य महत्वपूर्ण विधिक विषयों पर जागरूक किया जाएगा। आयोजकों ने संबंधित विभागों के अधिकारियों एवं आमजन से समय पर उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

अब सहारे की नहीं जरूरत, डीएम ने दिव्यांगों को सौंपीं इलेक्ट्रिक व ट्राईसाइकिलें

जनता दरबार में सहायक उपकरण पाकर खिले चेहरे, बोले लाभार्थी—अब अपने दम पर तय करेंगे मंजिल

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। जनता दरबार गुरुवार को कई दिव्यांगजनों के लिए खुशियों का संदेश लेकर आया। वर्षों से आवागमन में कठिनाइयों का सामना कर रहे पात्र दिव्यांगों को जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने इलेक्ट्रिक साइकिल एवं ट्राईसाइकिल वितरित कर आत्मनिर्भरता की नई सौगात दी। सहायक उपकरण मिलते ही लाभार्थियों के चेहरों पर खुशी साफ झलकने लगी और उन्होंने सरकार व जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप आयोजित कार्यक्रम में एक पात्र दिव्यांग लाभार्थी को इलेक्ट्रिक साइकिल तथा अन्य पात्र दिव्यांगजनों को ट्राईसाइकिल उपलब्ध कराई गई। उपकरण प्राप्त करने के बाद लाभार्थियों ने कहा कि अब वे अपने दैनिक कार्य बिना किसी दूसरे के सहारे आसानी से कर सकेंगे, जिससे उनका जीवन पहले की अपेक्षा अधिक सुगम और सम्मानजनक होगा।

इस अवसर पर जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने कहा कि दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। सहायक उपकरण केवल उनकी आवाजाही का माध्यम नहीं हैं, बल्कि उन्हें आत्मविश्वास, स्वाभिमान और समाज की मुख्यधारा से जुड़ने का अवसर भी प्रदान करते हैं।जनता दरबार में यह भावुक पल उपस्थित लोगों के लिए भी प्रेरणादायी रहा। सहायक उपकरण मिलने के बाद दिव्यांगजनों के चेहरे पर लौटती मुस्कान और उनके परिजनों की खुशी ने कार्यक्रम को यादगार बना दिया। जिला प्रशासन ने भविष्य में भी पात्र दिव्यांगजनों को सरकारी योजनाओं का लाभ समयबद्ध ढंग से उपलब्ध कराने का भरोसा दिलाया।

जालौन में हरित क्रांति की तैयारी: 15 विशिष्ट वनों में होगा वृहद वृक्षारोपण, डीएफओ प्रदीप कुमार बोले–जनभागीदारी से सफल बनेगा अभियान

वंदे मातरम् वाटिका, ऊर्जा वन, अविरल धारा, खाद्य वन और मित्रवन सहित 15 विशिष्ट वन होंगे विकसित

-बुन्देलखण्ड एक्सप्रेसवे पर 50 हजार और उकासा वन ब्लॉक में 56 हजार पौधे लगाए जाएंगे

-डीएफओ की अपील–हर नागरिक लगाए एक पौधा, पर्यावरण संरक्षण को बनाएं जनआंदोलन

(यंग भारत न्यूज)

जालौन। जनपद जालौन में इस वर्ष वृहद वृक्षारोपण अभियान को जनआंदोलन का स्वरूप देने की तैयारी पूरी कर ली गई है। वन विभाग ने विभिन्न विकास खंडों में 15 विशिष्ट वनों की स्थापना के लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार की है। इस अभियान के तहत लाखों पौधे रोपित किए जाएंगे, जिससे पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता का संवर्धन, भूजल संरक्षण तथा हरित आवरण में वृद्धि सुनिश्चित की जा सके।

प्रभागीय वनाधिकारी (डीएफओ) प्रदीप कुमार ने बताया कि वन विभाग ने वृक्षारोपण कार्यक्रम की सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। उन्होंने कहा कि इस बार केवल पौधे लगाने तक अभियान सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसे जनभागीदारी से जनआंदोलन बनाया जाएगा। उन्होंने सभी नागरिकों, सामाजिक संगठनों, स्वयंसेवी संस्थाओं, विद्यालयों तथा ग्राम पंचायतों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने की अपील की। डीएफओ ने बताया कि कदौरा विकासखंड के आटा वन ब्लॉक में दो हेक्टेयर क्षेत्र में 'वंदे मातरम् वाटिका' विकसित की जाएगी, जहां लगभग 2,500 पौधे लगाए जाएंगे। इसमें पीपल, पाखड़, बरगद, शीशम, सागौन, आंवला और नीम जैसी पर्यावरण के लिए उपयोगी प्रजातियों का रोपण किया जाएगा। इसी प्रकार आटा द्वितीय वन ब्लॉक में 'ऊर्जा वन' की स्थापना होगी, जहां लगभग 3,200 पौधे लगाए जाएंगे। इसमें बबूल, सिरस, खैर, चिलबिल, कंजी और सूबबूल जैसी प्रजातियां शामिल रहेंगी। सबसे बड़ा वृक्षारोपण कार्यक्रम उकासा वन ब्लॉक में प्रस्तावित 'अविरल धारा' वन में होगा। यहां लगभग 56 हजार पौधे लगाए जाएंगे। इस क्षेत्र में अर्जुन, जंगल जलेबी, पीपल, बरगद, पाखड़, गूलर, नीम, शीशम, जामुन, आम, महोगनी, गुलमोहर सहित अनेक प्रजातियों का रोपण किया जाएगा। आटा वन ब्लॉक में 'भाई-बहन वृक्षारोपण' तथा 'एक पेड़ गुरु के नाम' अभियान के अंतर्गत भी लगभग 1,600-1,600 पौधे लगाए जाएंगे। इन अभियानों का उद्देश्य सामाजिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ना है। महेवा विकासखंड के आलमपुर प्रथम वन ब्लॉक में 'महर्षि चरक वन' स्थापित किया जाएगा, जहां अर्जुन, आंवला, जामुन, सहजन, कंजी, बहेड़ा तथा एलोवेरा जैसी औषधीय एवं उपयोगी प्रजातियों के करीब 3,200 पौधे लगाए जाएंगे। आलमपुर द्वितीय वन ब्लॉक में 'समरस वन' विकसित किया जाएगा, जबकि सुल्तानपुरा वन ब्लॉक में 'खाद्य वन' की स्थापना होगी। यहां आम, जामुन, अमरूद, बेल, कटहल, बेर, शहतूत और अन्य फलदार पौधों का रोपण किया जाएगा, जिससे भविष्य में स्थानीय लोगों को भी लाभ मिल सके। डकोर विकासखंड के बोहदपुरा वन ब्लॉक में 'कपि वन' बनाया जाएगा, जहां आंवला, सागौन, आम, अमरूद, जामुन, अनार, सहजन, कटहल और नींबू सहित विभिन्न प्रजातियों के लगभग 1,600 पौधे लगाए जाएंगे। वन विभाग द्वारा बुन्देलखण्ड एक्सप्रेसवे के किनारे भी विशेष हरित पट्टी विकसित की जाएगी। यहां करीब 50 हजार पौधे लगाए जाएंगे, जिससे एक्सप्रेसवे के दोनों ओर हरियाली बढ़ेगी और पर्यावरण संतुलन को मजबूती मिलेगी। बोहदपुरा वन ब्लॉक में एक अन्य 'अविरल धारा' परियोजना के अंतर्गत लगभग 32 हजार पौधे लगाए जाएंगे। वहीं 'त्रिवेणी वन' में पीपल, बरगद और नीम के 3,200 पौधे रोपे जाएंगे। जालौन विकासखंड के ग्राम सुढार में 'समृद्धि वन' विकसित किया जाएगा, जहां शीशम, सागौन, आम, अमरूद, नीम, जामुन, अनार, सहजन, महोगनी, कटहल और नींबू जैसे पौधों का रोपण होगा।

नदीगांव के मऊ वन ब्लॉक में 'शक्ति वन' तथा माधौगढ़ के गोपालपुरा वन ब्लॉक में 'मित्रवन' की स्थापना की जाएगी। इन स्थलों पर भी हजारों पौधे लगाए जाएंगे, जिनमें कदम्ब, अर्जुन, महोगनी, गुलमोहर, जामुन, आम, नीम, पीपल और बरगद जैसी प्रजातियां प्रमुख रहेंगी। डीएफओ प्रदीप कुमार ने कहा कि वृक्षारोपण तभी सफल माना जाएगा जब लगाए गए पौधों का संरक्षण भी सुनिश्चित किया जाए। इसके लिए वन विभाग, ग्राम पंचायतों, स्वयं सहायता समूहों तथा स्थानीय नागरिकों को जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। उन्होंने कहा कि पौधे केवल पर्यावरण को शुद्ध नहीं करते, बल्कि जल संरक्षण, जैव विविधता, जलवायु संतुलन और आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य का भी आधार हैं।

रोक के बावजूद शिकारी दम से कर है हैं मछली का शिकार

-डीएम से रंगे हांथो पकड़वाकर कठोर कार्यवाही करने की मांग

(यंग भारत न्यूज)

मदारीपुर (जालौन):- जनपद जालौन की यमुना नदी एवं अन्य नदियों में क्लोज सीजन (प्रजनन काल) के दौरान कथित रूप से बड़े पैमाने पर हो रहे अवैध मछली शिकार को लेकर मुख्यमंत्री को शिकायत भेजी गई है। शिकायतकर्ता विशंभर सिंह निषाद फौजी ने मुख्यमंत्री को संबोधित पत्र में आरोप लगाया है कि शासन द्वारा मछलियों के संरक्षण के लिए लगाए गए प्रतिबंध के बावजूद कई स्थानों पर प्रतिदिन अवैध रूप से मछलियां पकड़ी जा रही हैं और उनका खुलेआम कारोबार हो रहा है।

शिकायत में कहा गया है कि क्लोज सीजन का उद्देश्य मत्स्य संपदा का संरक्षण, जैव विविधता की रक्षा और पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखना है, लेकिन जनपद में इन नियमों का पालन प्रभावी ढंग से नहीं हो रहा है। पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि यदि सक्षम अधिकारी के आदेशों की अवहेलना की जाती है तो संबंधित कानूनी प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जा सकती है। मुख्यमंत्री से मांग की गई है कि यमुना एवं अन्य नदियों में हो रहे अवैध मछली शिकार की उच्चस्तरीय जांच कराई जाए तथा मत्स्य विभाग, जिला प्रशासन और पुलिस की संयुक्त टीम बनाकर नियमित छापेमारी कराई जाए। साथ ही दोषियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर नाव, जाल और अन्य उपकरण जब्त किए जाएं तथा नियमों के अनुसार कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए। शिकायतकर्ता ने यह भी मांग की है कि यदि किसी अधिकारी या कर्मचारी की लापरवाही सामने आती है तो उसके खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जाए और भविष्य में क्लोज सीजन के दौरान अवैध मछली शिकार रोकने के लिए प्रभावी निगरानी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। शिकायत में कहा गया है कि यह मामला केवल कानून के पालन तक सीमित नहीं है, बल्कि प्राकृतिक संसाधनों, मत्स्य संपदा और आने वाली पीढ़ियों के हितों से भी जुड़ा हुआ है। इसलिए जनहित में तत्काल प्रभावी कार्रवाई की आवश्यकता है।

कुठौंद पुलिस ने दबोचा एक वारंटी

(यंग भारत न्यूज)

कुठौंद (जालौन): कुठौंद थाना क्षेत्र अंतर्गत-पुलिस अधीक्षक जालौन के निर्देशन में अपराधियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत कुठौंद पुलिस को एक और सफलता मिली है। थाना कुठौंद पुलिस लंबे समय से फरार चल रहे वारंटी अभियुक्त राजकुमार पुत्र बृजमोहन को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, अपर पुलिस अधीक्षक के पर्यवेक्षण एवं क्षेत्राधिकारी जालौन के निर्देशन में प्रभारी निरीक्षक जगदम्बा प्रसाद दुबे कुठौंद के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए राजकुमार पुत्र बृजमोहन निवासी ग्राम मकटोरा थाना कुठौंद, जनपद जालौन को 9/7/2026 को गिरफ्तार किया। अभियुक्त के विरुद्ध बाद संख्या 210081/2018, अधिनियम ई सी एक्ट के तहत मुकदमा पंजीकृत है अभियुक्त न्यायालय में लगातार अनुपस्थित चल रहा था, जिसके चलते माननीय न्यायालय ने उसके विरुद्ध गैर जमानती वारंट जारी किया था। न्यायालय के आदेश के अनुपालन में पुलिस ने विधिक प्रक्रिया का पालन करते हुए अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया। इस सफल कारवाई में उप निरीक्षक राजकुमार पांडे कांस्टेबल आशुतोष अहलावत की महत्वपूर्ण भूमिका रही हैं।

धर्मशाला के प्रवेश मार्ग से अतिक्रमण हटाने की मांग, जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। गहोई सेवा मंडल, उरई द्वारा संचालित गहोई वैश्य धर्मशाला के प्रवेश मार्ग पर कथित अवैध अतिक्रमण और पार्किंग की समस्या को लेकर जिलाधिकारी जालौन को ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग की गई है।

गहोई सेवा मंडल अध्यक्ष पवन गेड़ा, मंत्री संजय कुरेले, दिलीप चदैया, गौरव हूका, अमित गुप्ता, रानू, अवधेश रावत आदि ने जिलाधिकारी को ज्ञापन भेंट करते हुए कि गोपालगंज सब्जी मंडी स्थित गहोई वैश्य धर्मशाला सर्वसमाज के लिए संचालित की जाती है, जहां बाहर से आने वाले यात्रियों के ठहरने की व्यवस्था भी है। आरोप है कि धर्मशाला के मुख्य प्रवेश मार्ग पर कुछ सब्जी विक्रेताओं द्वारा दोनों ओर अतिक्रमण कर लिया गया है, जिससे लोगों के आने-जाने में भारी परेशानी हो रही है। ज्ञापन के अनुसार धर्मशाला परिसर के आसपास अवैध पार्किंग किए जाने से विवाह समारोह, सामाजिक कार्यक्रम तथा यात्रियों के ठहरने में भी बाधा उत्पन्न हो रही है। इसके अलावा धर्मशाला से संचालित होने वाली नि:शुल्क बॉडी डीप फ्रीजर सेवा के वाहन को आने-जाने में भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया है कि धर्मशाला परिसर में स्थित श्री राधारमण सरकार मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं को भी अतिक्रमण के कारण असुविधा होती है। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि रास्ता खाली कराने की बात कहने पर कुछ लोग विवाद करने पर उतारू हो जाते हैं। गहोई सेवा मंडल ने जिलाधिकारी से जनहित को देखते हुए धर्मशाला परिसर एवं मुख्य प्रवेश मार्ग से अतिक्रमण और अवैध पार्किंग हटवाकर सुचारु आवागमन सुनिश्चित कराने की मांग की है।

उरई नगर पालिका के बहुचर्चित बाबू मैथिली के खिलाफ पीड़ितों ने दी जॉइंट मजिस्ट्रेट रिंकू सिंह को लिखित शिकायत

(यंग भारत न्यूज)

- कड़े तेवर वाले आईएएस रिंकू सिंह को मिला एक और भृष्टाचारी शिकार
- नगर पालिका उरई के लिपिक के खिलाफ शिकायतकर्ताओं ने सौंपा ज्ञापन
- अनियमितताओं और पद के दुरुपयोग के आरोप, निष्पक्ष जांच की उठी मांग
- जांच पूरी होने तक आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं

उरई। नगर पालिका परिषद उरई में कार्यरत बाबू मैथिलीशरण गुप्ता के खिलाफ भ्रष्टाचार और वित्तीय अनियमितताओं के गंभीर आरोप लगाते हुए संयुक्त मजिस्ट्रेट सदर उरई को शिकायती पत्र सौंपा गया है। शिकायतकर्ताओं ने मामले की उच्चस्तरीय एवं निष्पक्ष जांच कराकर दोषी पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

शिकायती पत्र में आरोप लगाया गया है कि मैथिलीशरण गुप्ता नगर पालिका परिषद उरई के साथ-साथ अन्य नगर पंचायतों के कार्य भी देख रहे हैं। शिकायतकर्ताओं का दावा है कि अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने पद का दुरुपयोग करते हुए विभिन्न मामलों में अनियमितताएं की हैं। उनका कहना है कि यदि पूरे कार्यकाल और संबंधित अभिलेखों की गहन जांच कराई जाए तो कथित वित्तीय गड़बड़ियों का खुलासा हो सकता है। शिकायतकर्ताओं ने यह भी आरोप लगाया है कि संबंधित बाबू प्रभाव और कथित सांठगांठ के बल पर लंबे समय से कार्रवाई से बचते रहे हैं। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि मामले की स्वतंत्र एजेंसी या सक्षम अधिकारी से जांच कराई जाए, ताकि सच्चाई सामने आ सके और दोषी पाए जाने पर नियमानुसार विभागीय एवं कानूनी कार्रवाई की जा सके। यह शिकायती पत्र जगत राजपूत, श्रीकांत, गीता, सावित्री, गरमा देवी सहित अन्य लोगों द्वारा संयुक्त मजिस्ट्रेट को सौंपा गया है। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि नगर पालिका के कार्यों में पारदर्शिता बनाए रखने और जनता का विश्वास कायम रखने के लिए इस मामले की निष्पक्ष जांच आवश्यक है। समाचार लिखे जाने तक संयुक्त मजिस्ट्रेट कार्यालय की ओर से जांच शुरू किए जाने संबंधी कोई आधिकारिक आदेश सार्वजनिक नहीं हुआ था। वहीं, बाबू मैथिलीशरण गुप्ता की ओर से भी इन आरोपों पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

डंपर की स्टीयरिंग फेल होने से चालक की दर्दनाक मौत, मोरंग लदे ट्रक में पीछे से घुसा वाहन

(यंग भारत न्यूज)

उरई। झांसी-कानपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर गुरुवार तड़के एक भीषण सड़क हादसे में डंपर चालक की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा एट थाना क्षेत्र के धुरट ओवरब्रिज पर उस समय हुआ, जब चल रहे डंपर की स्टीयरिंग अचानक फेल हो गई। अनियंत्रित डंपर आगे चल रहे मोरंग लदे ट्रक में पीछे से जा घुसा, जिससे चालक केबिन में बुरी तरह फंस गया।

हादसे में मृत चालक की पहचान बाराबंकी जनपद के देवा थाना क्षेत्र स्थित ग्राम रामपुर निवासी 40 वर्षीय लल्लू यादव के रूप में हुई है। बताया गया कि वह बाराबंकी से झांसी मिट्टी लोड करने जा रहे थे। इसी दौरान धुरट ओवरब्रिज पर वाहन की स्टीयरिंग जवाब दे गई और यह हादसा हो गया। दुर्घटना के बाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात प्रभावित हो गया। सूचना मिलते ही एट थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से काफी मशक्कत के बाद चालक को केबिन से बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को हटवाकर यातायात सुचारु कराया। वहीं शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है।

एबीवीपी के स्थापना दिवस पर गोष्ठी का आयोजन, राष्ट्र निर्माण पर हुआ मंथन

(यंग भारत न्यूज)

कोंच स्थानीय मथुरा प्रसाद स्नातकोत्तर महाविद्यालय में गुरुवार दोपहर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के स्थापना दिवस के अवसर पर एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं एवं परिषद के कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।गोष्ठी में संगठन की स्थापना उसके उद्देश्य तथा राष्ट्र निर्माण में विद्यार्थियों की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की गई।मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित जिला प्रमुख डॉ. हरिश्चंद्र तिवारी ने कहा कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद केवल एक छात्र संगठन नहीं बल्कि राष्ट्रहित, शिक्षा और सामाजिक दायित्वों के प्रति युवाओं को जागरूक करने वाला एक सशक्त मंच है। उन्होंने विद्यार्थियों से शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक कार्यों में भी सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया।इस अवसर पर उपस्थित तहसील प्रमुख डॉ महेंद्र नाथ मिश्रा ने परिषद के इतिहास और उसके विभिन्न सामाजिक एवं शैक्षिक अभियानों पर प्रकाश डालते हुए युवाओं से राष्ट्र सेवा की भावना के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। नगर उपाध्यक्ष डॉ ओम प्रकाश यादव ने संगठन की विचारधारा और छात्र हितों के लिए किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी।कार्यक्रम का संचालन नगर मंत्री आयशा गुप्ता ने किया वही तहसील संयोजक करण वीर ने सभी अतिथियों एवं उपस्थित कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया।गोष्ठी में परिषद के समस्त कार्यकर्ता एवं छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

बारिश में गरीब विधवा का कच्चा घर हुआ जमींदोज

(यंग भारत न्यूज)

कोंच नगर के मुहल्ला गोखले नगर में बारिश से एक निर्धन विधवा बुजुर्ग महिला का कच्चा घर जमींदोज हो गया जिससे वह पड़ोसी के घर में शरण लेने को मजबूर है। बुजुर्ग महिला सरकारी मदद के लिए स्थानीय प्रशासन से गुहार लगा रही है।जानकारी के अनुसार मुहल्ला गोखले नगर निवासी जमुना देवी उम्र 61 वर्ष पत्नी स्व. ओमप्रकाश काफी गरीब है। उसका कच्चा घर है जिस पर छप्पर पड़ा है। घर में वह अकेली रहकर अपना गुजारा बसर कर रही है। पिछले दो-तीन दिन से लगातार हो रही बारिश में उसका घर भरभरा कर गिर पड़ा जिससे मजबूरन वह पड़ोसी केदारी के घर में शरण लिए हुए है। जमुना देवी ने बताया कि तीन साल पहले भी बारिश में उसके घर का पिछला हिस्सा गिर पड़ा था और तब उसे सरकारी मदद के नाम पर प्रशासन द्वारा सिर्फ चार हजार रूपये दिए गए थे। इन रुपयों से उसने घर के आगे के हिस्से की दीवार बनाकर छप्पर डाल लिया था और यहीं पर रह रही थी लेकिन अब आगे का हिस्सा भी गिर पड़ा है जिससे उसे घर में रहने के लिए जगह नहीं बची है। उसने बताया कि वह आवास की कई बार मांग कर चुकी है लेकिन उसे आवास नहीं मिल सका है। जमुना देवी की एक विवाहित बेटी है। बेटी के पास ही इंदौर में रहकर बेटा पढ़ाई कर रहा है।

बगैर सीओपी नम्बर के नही कर सकेंगे अधिवक्ता प्रेक्टिस

सिविल जज जूनियर डिवीजन ने किया आदेश पारित

(यंग भारत न्यूज)

कोंच अधिवक्ता अब बगैर सीओपी नंबर के प्रेक्टिस नहीं कर सकेंगे। सिविल जज जूनियर डिवीजन कोंच ने इस संबंध में आदेश पारित किया है कि बगैर सीओपी नंबर के कोई भी अधिवक्ता विधि व्यवसाय नहीं कर सकता है।

दरअसल, न्यायालय सिविल जज जूनियर डिवीजन/ जेएम, तहसील कोंच में विधि व्यवसाय निष्पादित करने वाले कतिपय वरिष्ठ अधिवक्तागणों द्वारा लिखित तथा मौखिक रूप से जेएम से इस आशय की शिकायत की गई थी कि बार एसोसिएशन कोंच में कुछ अधिवक्तागण सीओपी धारक नहीं है, फिर भी न्यायालय के समक्ष न्यायिक कार्य निष्पादित कर रहे हैं जिस कारण से सीओपी धारक अधिवक्ताओं का कार्य प्रभावित होता है। अत: बगैर सीओपी धारक अधिवक्ताओं को न्यायिक कार्य निष्पादित करने से रोका जाए तथा उनके विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई की जाए। उक्त शिकायत के परिप्रेक्ष्य में न्यायालय सिविल जज जूनियर डिवीजन के जेएम सतनाम सिंह यादव ने वकालत पेशे से जुड़े सभी अधिवक्ताओं को निर्देशित किया है कि सीओपी (सर्टिफिकेट ऑफ प्रेक्टिस) को प्राप्त किए बिना न्यायिक कार्य निष्पादित न करें। ऐसा कृत्य, अधिवक्ता अधिनियम 1961 के विधिक प्रावधानों के विपरीत है और सुसंगत प्रावधानों के तहत अपराधिक दायित्व भी अधिरोपित करता है। ऐसी स्थिति में यदि कोई व्यक्ति उक्त कृत्य करते हुए पाया जाता है तो उसके विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

छत से गिरकर महिला की दर्दनाक मौत, बारिश से बचाव के लिए डाल रही थी तिरपाल

(यंग भारत न्यूज)

उरई। जिले के माधौगढ़ कोतवाली क्षेत्र के चितौरी गांव में बुधवार देर रात एक दर्दनाक हादसे में 38 वर्षीय महिला की छत से गिरकर मौत हो गई। महिला बारिश से बचाव के लिए मकान की छत पर तिरपाल डाल रही थी। इसी दौरान फिसलन के कारण उसका संतुलन बिगड़ गया और वह नीचे जमीन पर गिर गई।

घटना के बाद परिजन और ग्रामीण तत्काल महिला को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) माधौगढ़ लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। जानकारी के अनुसार, चितौरी निवासी राजन कोरी (38) रात करीब 10 बजे अपने मकान की छत पर तिरपाल डाल रही थीं। बारिश के कारण छत पर फिसलन होने से उनका पैर फिसल गया और वह ऊंचाई से नीचे गिर गईं। गंभीर चोट लगने के कारण उन्होंने मौके पर ही दम तोड़ दिया।हादसे की सूचना मिलते ही माधौगढ़ कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी जुटाई। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार मिश्रा ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला हादसे का प्रतीत हो रहा है। पुलिस ने आवश्यक वैधानिक कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। मृतका अपने पीछे पति साहब तथा दो पुत्र भूरे और कुंवर सिंह को छोड़ गई हैं। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और गांव के लोग शोक संतप्त परिवार को सांत्वना दे रहे हैं।

शादी के 20 साल बाद फिर बनी दुल्हनिया, दो बच्चों संग जब मंडप पर आ धमका पति तो. हैरान कर देगी बेवफा पत्नी की कहानी

(यंग भारत न्यूज)

हरियाणा के हिसार जिले में वैवाहिक रिश्ते को तार-तार करने वाली एक सनसनीखेज घटना प्रकाश में आई है. यहां जगान गांव के रहने वाले मनीष कुमार (45) की पत्नी शादी के दो दशक बाद अपने दो मासूम बच्चों और पति को छोड़कर अपने प्रेमी के साथ रफूचक्कर हो गई. इतना ही नहीं, महिला ने राजस्थान के एक मंदिर में जाकर चुपचाप दूसरा ब्याह भी रचा लिया.इस चौंकाने वाले मामले का खुलासा तब हुआ जब पीड़ित पति ने अपने ससुराल पक्ष के लोगों का सोशल मीडिया स्टेटस देखा. सदमे और धोखे का शिकार हुए पति ने अब इंसाफ के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाया है.

पीड़ित पति मनीष कुमार ने हिसार कोर्ट में दायर अपनी निजी शिकायत (इस्तगासे) में पूरी कहानी बयां की है. मनीष की शादी 2 नवंबर 2006 को हिंदू रीति-रिवाज के साथ रेखा (35) नामक महिला से हुई थी. इस शादी से उनके दो बेटे हुए और कई वर्षों तक पूरा परिवार बेहद खुशहाल जिंदगी जी रहा था. साल 2023 में मनीष अपने काम के सिलसिले में भिवानी के सिवानी (वार्ड-5) में रहने लगा. आरोप है कि इसी दौरान सतीश नाम के एक व्यक्ति का उनके घर पर लगातार आना-जाना शुरू हो गया, जो धीरे-धीरे रेखा का बॉयफ्रेंड बन गया. मनीष के मुताबिक, नवंबर 2025 में रेखा अचानक बिना कुछ बताए अपने पिता आशाराम और भाई संजीव के साथ घर से गायब हो गई. मनीष ने सिवानी थाने में इसकी शिकायत भी दर्ज कराई थी. इसके बाद जो हुआ, उसकी मनीष ने कभी कल्पना भी नहीं की थी. 1 दिसंबर 2025 को मनीष को सोशल मीडिया और अपने ससुराल पक्ष के लोगों के स्टेटस के जरिए पता चला कि उसकी पत्नी रेखा राजस्थान के चुरू जिले के धानोठी गांव में सतीश के साथ दूसरी शादी कर रही है. जब मनीष ने अपनी पत्नी की इस दूसरी गैर-कानूनी शादी का कड़ा विरोध किया, तो आरोपी सतीश और रेखा के मायके वाले भड़क गए. उन्होंने मनीष को खरी-खोटी सुनाते हुए कहा कि हमने तो रेखा की शादी कर दी है, तुम हमारा कुछ नहीं बिगाड़ सकते. इसके साथ ही उन्होंने मनीष को जान से मारने की धमकी देकर वहां से भगा दिया. मनीष का आरोप है कि इस धोखेबाजी के पीछे एक बड़ी आर्थिक साजिश भी थी. उसके ससुराल वालों ने धोखे से उसकी 6 कनाल जमीन और पक्का मकान बिकवा दिया और उसके सारे पैसे हड़प लिए. इस कारण मनीष अब अपनी बुजुर्ग मां और दो बच्चों के साथ पूरी तरह बेघर हो चुका है. इस गहरे सदमे के कारण वह गंभीर रूप से बीमार होकर अस्पताल में भी भर्ती रहा. अस्पताल से डिस्चार्ज होने के बाद मनीष ने हिम्मत जुटाई और शादी के वीडियो व फोटो साक्ष्य के रूप में एकत्र किए. उसने अपने वकील संदीप श्योराण के माध्यम से हिसार अदालत में भारतीय न्याय संहिता की सुसंगत धाराओं के तहत केस दर्ज कराया. मामले की गंभीरता को देखते हुए जेएमआईसी अजीतपाल सिंह की अदालत ने कड़ा रुख अपनाया है. कोर्ट ने आरोपी पत्नी रेखा, उसके बॉयफ्रेंड सतीश, पिता आसाराम, भाई, भाभी, मां और बहन पूनम के खिलाफ कानूनी नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है. अदालत ने सभी आरोपियों को 25 नवंबर 2026 तक कोर्ट में हाजिर होकर अपनी सफाई देने का आदेश दिया है.

19 साल का प्रेमी... 23 साल की प्रेमिका, ओयो होटल में रुके, रात में हो गया कांड, सुबह लड़की पुलिस हिरासत में

(यंग भारत न्यूज)

भिलाई के कोहका स्थित ओयो होटल कुणाल में दिलदहला देने वाली घटना घटी. यहां के एक कमरे में कैंप निवासी 19 वर्षीय शादाब शेख अपनी 23 वर्षीय प्रेमिका के साथ ठहरा हुआ था. रात को पता नहीं क्या हुआ, सुबह शादाब फांसी पर लटका मिला. पुलिस ने जब जांच शुरू की तो कई चौंकाने वाली बातें सामने निकल कर आईं.

जानकारी के अनुसार, शादाब और उसकी प्रेमिका मंगलवार शाम करीब 6:30 बजे होटल पहुंचे थे. दोनों ने कमरे में साथ समय बिताया और रात को जमकर शराब पी. इसके बाद दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया. विवाद के बाद प्रेमिका नशे की हालत में सो गई. आशंका जताई जा रही कि इसी दौरान शादाब ने पंखे से फंदा लगाकर जान दे दी. होटल प्रबंधन ने बताया, रात करीब 11:00 बजे शादाब के कुछ दोस्त उसे ढूंढते हुए होटल आए थे. उन्होंने बताया कि युवक-युवती के बीच झगड़ा हुआ है. स्टाफ ने काफी देर तक कमरा खटखटाया, लेकिन अंदर से कोई जवाब नहीं मिला. अगली सुबह करीब 6:00 बजे युवती कमरे से बाहर निकली. जब उससे शादाब के बारे में पूछा गया, तो उसने कहा कि वह सो रहा है. सुबह करीब 9:00 बजे शादाब के दोस्त फिर होटल पहुंचे और कमरे में दाखिल हुए. वहां शादाब बेड पर पड़ा था. बताया जा रहा कि युवती ने उसे रात में ही फंदे से नीचे उतार लिया था. दोस्त तुरंत उसे निजी अस्पताल लेकर गए,

जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. डॉक्टरों के मुताबिक, शादाब की मौत तीन-चार घंटे पहले ही हो चुकी थी. पुलिस ने युवती को हिरासत में ले लिया है. युवती से पूछताछ जारी है, ताकि विवाद के सही कारणों का पता चल सके. शादाब भिलाई के कैंप-1 इलाके का रहने वाला था. पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच कर रही है.

राजा रघुवंशी मर्डर केसः सुप्रीम कोर्ट पहुंची सोनम, बोली- 'मैं बेकसूर हूं झूठा फंसाया गया'

(यंग भारत न्यूज)

केस: मेघालय के चर्चित हनीमून मर्डर केस में आरोपी सोनम रघुवंशी ने सुप्रीम कोर्ट में जवाबी हलफनामा दाखिल कर खुद को बेगुनाह बताया है. सोनम ने अदालत से कहा है कि उसे इस मामले में झूठा फंसाया गया है और उसके खिलाफ अभियोजन का पूरा मामला परिस्थितिजन्य साक्ष्यों पर आधारित है. ऐसे में केवल आरोपों के आधार पर उसे दोषी नहीं माना जा सकता. इस मामले में गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होनी है. मेघालय सरकार ने उसकी जमानत रद्द करने की मांग की है. अपने हलफनामे में सोनम ने कहा है कि वह ट्रायल में पूरी तरह सहयोग कर रही है. उसने अदालत को बताया कि यदि मुकदमे की सुनवाई में किसी तरह की देरी हुई है तो उसके लिए उसे जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता. आरोपी का कहना है कि उसने जांच और न्यायिक प्रक्रिया में हर स्तर पर सहयोग किया है और अदालत द्वारा तय शर्तों का पालन किया है. सोनम ने कहा कि उसे 27 अप्रैल 2026 को जमानत मिली थी और अगले दिन 28 अप्रैल को वह जेल से रिहा हो गई थी. ऐसे में उसे दोबारा जेल भेजने का कोई औचित्य नहीं है. उसने अदालत को बताया कि जमानत रद्द करने के लिए जिन कानूनी आधारों की आवश्यकता होती है वे इस मामले में मौजूद नहीं हैं. साथ ही राज्य सरकार ने भी यह आरोप नहीं लगाया है कि उसने जमानत की किसी शर्त का उल्लंघन किया है. हलफनामे में यह भी कहा गया है कि मामले में अब आरोपी से कोई बरामदगी बाकी नहीं है और पुलिस चार्जशीट दाखिल कर चुकी है. इसलिए साक्ष्यों से छेड़छाड़ की आशंका भी नहीं बनती. सोनम फिलहाल जमानत की शर्तों के तहत शिलांग में रह रही है. सोनम ने अपने बचाव में कहा कि अभियोजन का पूरा मामला परिस्थितिजन्य साक्ष्यों पर आधारित है. ऐसे मामलों में आरोपों को संदेह से परे साबित करना अभियोजन की जिम्मेदारी होती है. उसने अदालत से कहा कि जब तक आरोप साबित नहीं होते तब तक केवल आरोपों के आधार पर किसी को दोषी नहीं माना जा सकता. इससे पहले सुप्रीम कोर्ट यह टिप्पणी कर चुका है कि आरोपी जमानत पर बाहर है इसलिए वह फिलहाल जमानत रद्द करने के पक्ष में नहीं है. हालांकि अदालत ने सोनम को नोटिस जारी कर उसका पक्ष मांगा था.

'मेरे पति से दूर हो जाओ...' महिला दारोगा संग बीडीओ की आशिकी ने ली पत्नी की जान, वीडियो कॉल पर टॉर्चर की खौफनाक इनसाइड स्टोरी

(यंग भारत न्यूज)

मुजफ्फरपुर। बिहार के मुजफ्फरपुर से एक ऐसा सनसनीखेज मामला सामने आया है, जिसने हर किसी को हैरान कर दिया है. जाले के बीडीओ (बीडीओ) मनोज कुमार और बेगूसराय में तैनात महिला दारोगा अनु कुमारी के बीच चल रहे 'इश्क के खेल' ने एक हंसती-खेलती जिंदगी को लील लिया.

बीडीओ की पत्नी अमृता कुमारी ने पति की बेवफाई और प्रताड़ना से तंग आकर जहरीला पदार्थ खा लिया, जिससे उनकी मौत हो गई. पुलिस की तफ्तीश में इस हाई-प्रोफाइल लव ट्रायंगल की जो कहानी सामने आई है, वह बेहद चौंकाने वाली है. इस पूरी कहानी की शुरुआत साल 2020 में मुजफ्फरपुर के मिठनपुरा स्थित क्लब रोड की एक प्रतिष्ठित कोचिंग से हुई थी. यहीं बीडीओ मनोज और महिला दारोगा अनु कुमारी की नजरें चार हुईं और दोनों के बीच अफेयर शुरू हो गया. दिलचस्प बात यह है कि मृतक अमृता और आरोपी महिला दारोगा अनु दोनों सीतामढ़ी की रहने वाली थीं और दोनों ने एक ही महिला कॉलेज से ग्रेजुएशन भी किया था. इसी बीच बीडीओ मनोज ने अमृता को अपने जाल में फंसाया और दिसंबर 2022 में दोनों ने लव मैरिज कर ली. लेकिन, मनोज ने इस शादी की बात अपनी 'लेडी लव' अनु से छिपाए रखी. शादी के बाद जब अमृता को अपने पति और महिला दारोगा के अवैध संबंधों की भनक लगी, तो उसके पैरों तले जमीन खिसक गई. अमृता ने हिम्मत जुटाकर अनु को सीधे फोन लगाया और दो टूक कहा- 'हमारी शादी हो चुकी है, मेरे पति से दूर हो जाओ.' इस खुलासे के बाद अनु बीडीओ से दूरी बनाने लगी थी, लेकिन शातिर बीडीओ मनोज ने अनु को नया झांसा दे दिया. उसने वादा किया कि वह जल्द ही अमृता को तलाक देकर उससे शादी कर लेगा. इसी भरोसे के दम पर दोनों का इश्क बेगूसराय पोस्टिंग के दौरान और परवान चढ़ने लगा, जबकि घर में अमृता की जिंदगी नर्क बन गई. अमृता की मौत वाले दिन की कहानी सबसे ज्यादा दर्दनाक है. बीडीओ मनोज अपनी विभागीय ट्रेनिंग के लिए पटना में था, जबकि महिला दारोगा अनु दरभंगा में पीजी की परीक्षा दे रही थी. परिजनों का आरोप है कि दोनों ने छुपकर पटना में मुलाकात की. वहां से दोनों ने एक साथ अमृता को वीडियो कॉल किया. कॉल पर दोनों ने अमृता को इस कदर मानसिक रूप से प्रताड़ित किया और ऐसी बातें कहीं कि टूट चुकी अमृता ने खौफनाक कदम उठाते हुए जहर खा लिया. यही नहीं, दोनों अक्सर अपनी मुलाकातों और बर्थडे सेलिब्रेशन की तस्वीरें-वीडियो अमृता को भेजकर उसे हर पल तड़पाते थे. जब मिठनपुरा पुलिस महिला दारोगा को गिरफ्तार करने उसके घर पहुंची, तो उसके घरवाले दंग रह गए. अनु मटिहानी थाने में तैनात थी और 10 दिन की छुट्टी लेकर एक महीने से ज्यादा समय से गायब (ओवरस्टे) चल रही थी. अब अमृता के परिजनों ने पुलिस को एक पेन ड्राइव सौंपी है, जिसमें बीडीओ और महिला दारोगा की चैट्स, तस्वीरें और वीडियो कॉल के रूप में उनकी आशिकी का कच्चा चिट्ठा मौजूद है. पुलिस इसी पेन ड्राइव के सबूतों के आधार पर दोनों पर शिकंजा कस रही है.

राम मंदिर चढ़ावे का काला खेल! रिश्तेदारों के खातों से ऐसे 'सफेद' होती थी चोरी की रकम, 30 बैंक अकाउंट फ्रीज

(यंग भारत न्यूज)

अयोध्या। राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले की जांच में हर दिन नए और चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं। पुलिस कस्टडी रिमांड पर लिए गए तीन आरोपियों ने पूछताछ के दौरान कबूल किया कि चोरी की गई रकम को छिपाने के लिए वे अपने रिश्तेदारों और करीबियों के बैंक खातों का इस्तेमाल करते थे।

पहले रकम उनके खातों में भेजी जाती थी, फिर अलग-अलग माध्यमों से वापस अपने खातों में ट्रांसफर कराई जाती थी, ताकि धन के स्रोत पर किसी को शक न हो। जांच के दौरान इस दावे की पुष्टि बैंक लेनदेन से भी हुई है। पुलिस पूछताछ में आरोपियों अनुकल्प मिश्रा, लवकुश मिश्रा और करुणेश पांडेय ने स्वीकार किया कि वे लगभग रोजाना चढ़ावे की नकदी में हेराफेरी करते थे। आरोप है कि इस काम में टिन्नू यादव और गणना प्रभारी सुभाष श्रीवास्तव की मिलीभगत से रकम निकालना आसान हो जाता था। आरोपियों ने यह भी बताया कि चोरी की नकदी और जेवर अलग-अलग स्थानों पर छिपाकर रखे गए हैं, जिनकी बरामदगी के लिए पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। पूछताछ में यह भी सामने आया कि आरोपियों ने दान लेने के लिए फर्जी रसीदें छपवा रखी थीं। श्रद्धालुओं से चढ़ावे के नाम पर नकद राशि लेकर उन्हें नकली रसीद थमा दी जाती थी, जबकि पूरी रकम निजी तौर पर रख ली जाती थी। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर ऐसी एक रसीद भी बरामद की है। एसआईटी की जांच के बाद आरोपियों और उनके परिजनों के करीब 30 बैंक खातों को फ्रीज कर दिया गया है। जांच में इन खातों में आय से अधिक लेनदेन पाए गए हैं। पुलिस अब यह पता लगा रही है कि चोरी की रकम किन-किन खातों में पहुंची और उसका इस्तेमाल कहां किया गया। सूत्रों के अनुसार, कुछ दोस्तों और परिचितों के खाते भी जांच के दायरे में आ गए हैं। यदि उनकी संलिप्तता सामने आती है तो उन्हें भी आरोपी बनाया जा सकता है। जांच एजेंसियां आरोपी अनुकल्प मिश्रा द्वारा खरीदी गई कार की भी जांच कर रही हैं। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि वाहन की खरीद में कहीं चढ़ावे की चोरी की रकम का इस्तेमाल तो नहीं किया गया। यदि इसकी पुष्टि होती है तो कार को मामले में साक्ष्य के रूप में जब्त किया जा सकता है।

300 रुपये की शिकायत पर 35 करोड़ का खेल खुला, आरटीओ अफसर के घर से मिली अकूत संपति; छापे में जेवरात निकले बेशुमार

(यंग भारत न्यूज)

आगरा। भ्रष्टाचार के मामले में फंसे सेवानिवृत्त एआरटीओ ललित कुमार की 35 करोड़ की कमाई का पर्दाफाश होने के पीछे डीएल बनवाने के लिए 300 रुपये की शिकायत है। विजिलेंस ने बुधवार को आय से अधिक संपत्ति के मामले में ललित कुमार के लखनऊ के अलीगंज स्थित आवास पर सर्च के दौरान 35 करोड़ रुपये की चल-अचल संपत्ति मिलने का दावा किया है।

जिसमें सोने-चांदी के बिस्कुट से लेकर लखनऊ, नोएडा, बाराबंकी, रायबरेली और सीतापुर में खरीदी गईं संपत्तियां शामिल हैं। कानपुर से प्रोन्नत होकर ललित कुमार अक्टूबर 2020 में आगरा एआरटीओ प्रवर्तन द्वितीय के पद पर तैनाती मिली। यहां वह पांच वर्ष तक इस पद पर रहे। जुलाई 2025 से अक्टूबर तक एआरटीओ प्रशासन का अतिरिक्त प्रभार भी ललित कुमार पास रहा था। वह 31 अक्टूबर 2025 को आगरा से सेवानिवृत्त होने के बाद लखनऊ में रहने लगे थे। बताते हैं कानपुर में आरआई रहने के दौरान वर्ष 2020 में किसी व्यक्ति ने ललित कुमार के विरुद्ध तत्कालीन परिवहन आयुक्त के यहां शिकायत की। आरआई पर ड्राइविंगस लाइसेंस बनवाने के लिए 300 रुपये घूस मांगने का आरोप लगाया। परिवहन आयुक्त ने 11 सितंबर 2020 को ललिल कुमार के विरुद्ध एंटी करप्शन टीम को जांच करने की अनुमति दी। बताया जाता हे कि यहीं से उनके भ्रष्टाचार की कमाई का परतें खुलनी शुरू हुईं। एंटी करप्शन विभाग को आय से अधिक संपत्तियों की जांच शुरू की। चार वर्ष तक चली जांच में आय से अधिक संपत्ति के साक्ष्य मिलने के बाद वर्ष 2025 में कानपुर के एंटी करप्शन थाने में ललित कुमार के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया। जिसके बाद उनकी आय से अधिक संपत्ति की खुली जांच शुरू की गई। जिसमें वैध आय स्रोतों से अर्जित

आय से 73 प्रतिशत से अधिक व्यय पाया गया। एंटी करप्शन की जांच में समस्त वैध स्रोतों से अर्जित कुल आय 93.26 लाख रुपये थी। जबकि ललित कुमार द्वारा इसी अवधि के दौरान च ल - अ च ल संपत्तियों का अर्जन एवं भरण-पोषण पर कुल व्यय 1.63 करोड़ रुपये था। एंटी करप्शन ने उनका व्यय 68.66 लाख रुपये अधिक पाया। ललित कुमार की जिस समय एंटी करप्शन द्वारा जांच शुरू की गई, वह राजपत्रित अधिकारी नहीं थे। एआरटीओ पद पर प्रोन्नत होने के बाद शासन में पैरवी करके डेढ वर्ष पहले ही विवेचना विजिलेंस में स्थानांतरित कराई थी। ललित कुमार ने राजपत्रित अधिकारी होने का हवाला दिया था। एंटी करप्शन राजपत्रित अधिकारी की जांच नहीं करती है। इस आधार पर विवेचना विजिलेंस में स्थानांतरित हो गई थी। अपने विरुद्ध एंटी करप्शन की जांच शुरू होने के बाद ललित कुमार वर्ष 2020 में आगरा तैनाती पा चुके थे। यहां पर एआरटीओ प्रवर्तन द्वितीय के रूप में तैनाती मिली थी। पांच वर्ष का लंबा अधिकांश कार्यकाल अवकाश में बीता। विभाग में वह कम ही बैठते थे। बताया जाता है कि इसके पीछे कहीं न कहीं जांच से बचने का प्रयास था। ललित कुमार के यहां सर्च मिले 35 करोड़ की चल-अचल संपत्तियां मिलना आगरा आरटीओ कार्यालय में दिन भर चर्चा का विषय रहा। उनके यहां से सर्च में मिली चल-अचल संपत्ति का ब्यौरा विभाग के लोग दिन भर एक दूसरे को बताते रहे। विभाग के दलालों का कहना था कि यहां रहने के दौरान भी उन्होंने खूब कमाई की। तीन वर्ष पहले सैंया मे वाहनों की चेकिंग के दौरान उनका विवाद हो गया था। मौके पर जुटे ग्रामीणों ने विरोध भी किया था। जिसका वीडियो भी इंटरनेट मीडिया में प्रसारित हुआ था।

72 साल बाद क्वार्टर फाइनल में स्विट्जरलैंड ने मारी एंट्री

■ शनिवार को चैंपियन अर्जेंटीना से भिड़ंत
■ पेनल्टी शूटआउट में कोलंबिया पर दर्ज की जीत

वैंकूवर

रुबेन वर्गास ने पेनल्टी को गोल में बदला, जिससे स्विट्जरलैंड खेले गए मैच के गोलरहित ड्रॉ रहने के बाद कोलंबिया पर पेनल्टी शूटआउट में 4-3 से जीत दर्ज करके 72 साल बाद विश्व कप फुटबॉल के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने में सफल रहा। स्विट्जरलैंड का सामना अब शनिवार को मिसौरी के कनसास सिटी स्थित एरोहेड स्टेडियम में मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना से होगा। अर्जेंटीना ने इससे पहले दिन में दो गोल से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करके मिस्र को 3-2 से हराया था। स्विट्जरलैंड 1954 में विश्व कप की मेजबानी करने के बाद से कभी भी विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में नहीं पहुंचा था।

स्विस टीम मंजांबी के बिना उतरी मैदान में

स्विस टीम युवा मिडफील्डर जोहान मंजांबी के बिना मैदान में उतरी। उन्होंने टूर्नामेंट में अब तक तीन गोल किए थे। यह एक ऐसा मैच था, जिसमें किसी तरह का रोमांच नहीं था। अतिरिक्त समय के बाद भी कोई टीम गोल करने में सफल नहीं रही थी लेकिन स्विट्जरलैंड ने धैर्य बनाए रखा, जो आखिर में महत्वपूर्ण साबित हुआ। विश्व कप में दो गोल कर चुके वर्गास ने पूरे अब्यतर तंत्र में जगह नहीं लिया था लेकिन वह मैच के दूसरे हाफ के इंजरी टाइम में स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में मैदान पर उतरे। शूटआउट में कोलंबिया के डिफेंडर डेविन्सन सांचेज का पेनल्टी शॉट क्रॉसबार से टकराया और स्विट्जरलैंड के गोलकीपर ग्रेगोर कोबेल ने कुछो हर्नांडेज के शॉट को बचा लिया।

स्टेडियम में मौजूद थे 50 हजार से अधिक दर्शक

फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो भी वीवीआईपी बॉक्स में मौजूद लोगों में शामिल थे, जहां खचाखच भरे स्टेडियम में 52,497 दर्शकों में से अधिकांश कोलंबिया के समर्थन में पीले रंग के कपड़े पहने हुए थे। कोबेल ने कहा, 'दर्शकों का समर्थन उनके पक्ष में था, इसलिए हमारे लिए यह एक कठिन मुकाबला था। हम जानते हैं कि खेल के कुछ ऐसे क्षण थे जब हमें रक्षात्मक खेल खेलना था और मानसिक रूप से मजबूत रहना था। हमारे कुछ खिलाड़ी अनुपस्थित थे, इसलिए यह हमारे लिए एक बड़ी चुनौती थी।

'गोल्डन बूट' की दौड़ में आगे मेस्सी

अटलांटा। लियोनेल मेस्सी ने मिस्र के खिलाफ इस विश्व कप में अपना आठवां गोल दागा और 'गोल्डन बूट' की दौड़ में आगे निकलने के साथ टूर्नामेंट में लगातार गोल करने का सिलसिला 9 मैचों का कर लिया। विश्व कप के मैचों में लगातार गोल करने का मेस्सी का सिलसिला 2022 से चला आ रहा है। वह लगातार 9 मैचों में 13 गोल कर चुके हैं।'गोल्डन बूट' की दौड़ में वह फ्रांस के कीलियन एमबाप्पे और नॉर्वे के एर्लिंग हालैंड से एक गोल आगे निकल गए हैं। इंग्लैंड के हैरी केन के छह गोल हैं। मेस्सी 2022 विश्व कप में 'गोल्डन बूट' की दौड़ में एमबाप्पे के बाद दूसरे स्थान पर थे। वहीं 2014 में उन्होंने चार गोल करके तीसरा स्थान हासिल किया था।

5 घंटे 16 मिनट चला महासंग्राम सेमीफाइनल में पहुंचे जोकोविच

■ नोवाक ने कनाडा के फेलिक्स ऑगर-अलियासिम को हराया
■ जोकोविच ने जीता विंबलडन का सबसे लंबा क्वार्टर फाइनल

। लंदन

नोवाक जोकोविच की उम्र 39 वर्ष है लेकिन उनका जोश, जुनून और फिटनेस में किसी तरह की कमी नहीं आई है। इसका शानदार नजारा विंबलडन के सेंटर कोर्ट में देखने को मिला, जहां उन्होंने 5 घंटे से भी अधिक समय तक चले मैराथन मुकाबले में फेलिक्स ऑगर-एलियासिमे को हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। सात बार के विंबलडन चैंपियन जोकोविच ने कनाडा के 25 साल के ऑगर-एलियासिमे पर 7-6 (10), 3-6, 6-3, 6-7 (4), 7-6 (4) से जीत हासिल की और मौजूदा चैंपियन यानिक सिनर के खिलाफ सेमीफाइनल में रोमांचक मुकाबले की नींव रखी। यह मैच 5 घंटे 16 मिनट तक चला। इस तरह से यह विंबलडन के क्वार्टर फाइनल में सबसे लंबे समय तक चलने वाला मैच बन गया।

रोमांचक मोड़ पर खत्म हुआ मुकाबला

पांच घंटे से ज्यादा समय तक लगातार बेसलाइन पर चले कड़े मुकाबले के बाद दोनों खिलाड़ी पूरी तरह थक चुके थे। यह मुकाबला पांचवें सेट के तनावपूर्ण सुपर टाई-ब्रेक में अपने चरम पर पहुंचा। मैच का एक अहम पल 22-शॉट की लंबी और थका देने वाली रैली के दौरान आया। जोकोविच ने लगातार ऑगर-एलियासिम को कोर्ट के एक कोने से दूसरे कोने तक दौड़ाया। आखिर में मैराथन मुकाबले से पूरी तरह थक चुके कनाडाई खिलाड़ी ने फोरहैंड शॉट बाहर मार दिया, जिससे सर्बियाई खिलाड़ी को टाई-ब्रेक में 9-4 की मजबूत बढ़त मिल गई। इससे बाद जोकोविच ने जीत के लिए एक पॉइंट हासिल करने के लिए काफी थके होने के बाद भी अपनी पूरी ताकत लगा दी और अपने विंबलडन करियर का सबसे लंबा क्वार्टर फाइनल जीत लिया।

सिनर के साथ होगा हाईवोल्टेज सेमीफाइनल

जोकोविच अब सेमीफाइनल में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर का सामना करेंगे। इटली के इस खिलाड़ी ने जर्मनी के जान-लेनार्ड स्ट्रफ को 7-5, 7-6 (4), 6-3 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। इस सेमीफाइनल में टेनिस की सबसे रोमांचक प्रतिद्वंद्विताओं में से एक फिर से देखने को मिलेगी। सिनर ने पिछले साल विंबलडन सेमीफाइनल में जोकोविच को सीधे सेटों में हराया था, जबकि सर्बियाई खिलाड़ी ने इस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलियन ओपन सेमीफाइनल में इटली के खिलाड़ी को पांच सेटों के कड़े मुकाबले में हराया था।

युवा खिलाड़ियों से मुकाबला करने में सक्षम हूं : जोकोविच

जोकोविच ने कहा, 'ये वो पल हैं, जिनके लिए मैं आज भी टेनिस खेलता हूं। मैं अब भी उन युवा खिलाड़ियों से मुकाबला करने में सक्षम हूं, जो मुझसे 15 साल छोटे हैं। मैं उन्हें बेहद करीबी मुकाबले में हरा सकता हूं।'

विंबलडन सेमीफाइनल में पहुंचे लगातार आठवीं बार

जोकोविच अपने 25वें ग्रैंड स्लैम खिताब की तलाश में लगातार रिकॉर्ड तोड़ रहे हैं। उन्होंने विंबलडन के सेमीफाइनल में लगातार आठवीं बार पहुंचकर एक नया रिकॉर्ड बनाया है। वह घास के कोर्ट पर खेले जाने वाले इस टूर्नामेंट में लगातार सबसे अधिक पुरुष एकल सेमीफाइनल में पहुंचने के मामले में रोजर फेडरर से एक कदम आगे निकल गए हैं। जोकोविच से बाद में अर्जेंटीना के लियोनेल मेस्सी से अपनी तुलना करने के लिए कहा गया, जो 39 वर्ष के हैं और अभी भी उच्च स्तर पर प्रदर्शन कर रहे हैं। जोकोविच ने उस महान फुटबॉलर के बारे में कहा, 'उनके जैसा 90 मिनट खेलना अच्छा लगेगा।'

खबर संक्षेप

हमारे हर गेंदबाज ने किया अच्छा प्रदर्शन

नॉटिंघम। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर का मानना है कि भारत में आईपीएल के दौरान आसान विकेट पर खेलने के बाद इंग्लैंड की परिस्थितियों में गेंदबाजी करना सामान्य स्थिति में वापसी करना है। आर्चर ने कहा, 'मुझे लगता है कि यहां सब कुछ सामान्य हो गया है।' उन्होंने कहा, 'यहां आप अच्छी लेंथ पर सीधी गेंद फेंकने की कोशिश करते हैं। जबकि वहां, विकेट आसान होने और बाउंड्री छोटी होने के कारण बहुत सावधानी बरतनी पड़ती है।' आर्चर ने कहा, 'आईपीएल में कभी-कभी 200 रन भी सुरक्षित नहीं होते। लेकिन यहां 200 रन का लक्ष्य हासिल करना आसान नहीं है। मुझे खुशी है कि सभी ने अच्छा योगदान दिया। हमारे प्रत्येक गेंदबाज ने अच्छा प्रदर्शन किया।' भारतीय बल्लेबाजों को ब्रिटेन की परिस्थितियां कहीं अधिक चुनौतीपूर्ण लगी है।

न्यूजीलैंड सीरीज के लिए वेस्टइंडीज टीम का ऐलान

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली पांच मैचों की वनडे सीरीज के पहले तीन मुकाबलों के लिए वेस्टइंडीज क्रिकेट ने 15 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। 19 वर्षीय युवा स्पिन गेंदबाज विटेल लॉज को पहली बार टीम में शामिल किया गया है। विटेल लॉज ने मौजूदा घरेलू सीजन से पहले आयोजित तैयारी शिविर में सीनियर टीम के साथ भी अभ्यास किया था। उन्होंने इस साल हुए आईसीसी अंडर-19 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन करते हुए 10 विकेट अपने नाम किए थे। इसके साथ ही पूरे टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा डॉट गेंदें फेंकने का रिकॉर्ड भी उनके नाम रहा।

आईसीसी टी20 रैंकिंग

ईशान शीर्ष पर बरकरार बेथेल ने लगाई लंबी छलांग

दुबई

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की जारी टी20 के बल्लेबाजों की रैंकिंग में भारतीय टीम के बाएं हाथ के विस्फोटक बल्लेबाजों ईशान किशन और अभिषेक शर्मा ने अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा है। ईशान किशन टी20 बल्लेबाजों की रैंकिंग में पहले स्थान पर हैं, जबकि अभिषेक शर्मा दूसरे स्थान पर बने हुए हैं। भारत के खिलाफ जारी टी20 सीरीज के दूसरे मैच में नाबाद 76 रनों की पारी खेलने वाले इंग्लैंड के बाएं हाथ के बल्लेबाज जेकब बेथेल को रैंकिंग में बड़ा फायदा हुआ है। बेथेल 7 स्थान ऊपर चढ़ते हुए आठवें स्थान पर पहुंच गए हैं। ऑस्ट्रेलिया के मिशेल मार्श नौवें, जबकि दक्षिण अफ्रीका के डेवाल्ड ब्रेविस दसवें स्थान पर हैं।

बुमराह और वरुण को नुकसान

टी20 गेंदबाजों की बात करें तो अफगानिस्तान के राशिद खान पहले, पाकिस्तान के अबरार अहमद दूसरे, इंग्लैंड के आदिल रशीद 1 स्थान ऊपर चढ़ते हुए तीसरे, और ऑस्ट्रेलिया के एडम जंपा 1 स्थान ऊपर चढ़ते हुए चौथे स्थान पर हैं। भारत के वरुण चक्रवर्ती को 2 स्थान का घाटा हुआ है, वह पांचवें स्थान पर हैं। ऑस्ट्रेलिया के नाथन एलिस और दक्षिण अफ्रीका के कॉर्बिन बोश क्रमश: छठे और सातवें स्थान पर हैं। दोनों को एक-एक स्थान का फायदा हुआ है। जसप्रीत बुमराह को दो स्थान का घाटा हुआ है, वह आठवें स्थान पर हैं। श्रीलंका के वानिंदु हसरंगा नौवें और अफगानिस्तान के मुजीब उर रहमान दसवें स्थान पर हैं।

फिल साल्ट चौथे स्थान पर

पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान तीसरे और इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट चौथे स्थान पर हैं। श्रीलंका के पथुम निसंका पांचवें स्थान पर हैं। भारत के तिलक वर्मा छठे, इंग्लैंड के जोस बटलर सातवें स्थान पर हैं।

इतने बड़े अंतर से हारना स्वीकार्य नहीं : अय्यर

नॉटिंघम। कप्तान श्रेयस अय्यर ने तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में इंग्लैंड से 125 रन की करारी हार के बाद अपनी टीम के प्रदर्शन को 'बेहद खराब' करार दिया और कहा कि इस तरह का प्रदर्शन कतई स्वीकार्य नहीं है। अय्यर की कप्तानी में भारत ने अभी तक एक भी टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं जीता है। अय्यर ने कहा, 'यह बेहद निराशाजनक था, इतने बड़े अंतर से हारना स्वीकार्य नहीं है। हमारे पहले हमें हार को स्वीकार करना होगा और नए सिरे से रणनीति बनानी होगी।' अय्यर ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि यह 200 विकेट वाली पिच थी। हमने पावरप्ले में चार विकेट गंवा दिए और इसी वजह से हम पिछड़ गए। आप कितनी भी योजना बना लें, लेकिन मैदान पर उतरने के बाद आपको परिस्थितियों के अनुसार ढलना पड़ता है।

दो हार के बाद दबाव में टीम इंडिया, हर हाल में जीतना होगा चौथा टी20

इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज का निर्णायक मुकाबला आज

ब्रिस्टल

लगातार दो मैच हारने के बाद श्रेयस अय्यर की अगुआई वाली भारतीय टीम जब गुरुवार को श्रृंखला के निर्णायक चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में इंग्लैंड के सामने होगी तो उसके सामने खिलाड़ियों के चयन को लेकर मुश्किल चुनौतियां होंगी। भारतीय टीम इंग्लैंड के मुश्किल हालात में ढलने के लिए संघर्ष कर रही है और टीम यह मैच हार गई तो सीरीज भी गंवा देगी।

टीम चयन को लेकर सबसे बड़ा सवाल संजू सैमसन को लेकर है। उन्हें दूसरे और तीसरे टी20 से बाहर कर 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी को मौका दिया गया था। इस युवा खिलाड़ी का प्रदर्शन अब तक टीम के बाकी खिलाड़ियों से न तो खराब रहा है और न ही बहुत अच्छा।

सैमसन की वापसी की संभावना

टीम अभी 0-2 से पीछे चल रही है इसलिए भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने सैमसन की वापसी की संभावना से इनकार नहीं किया है। संजू का करियर पिछले चार महीनों में काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा है। एक समय वह टीम से बाहर थे, फिर शानदार प्रदर्शन कर टीम में लौटे, लेकिन अब फिर उन्हें बाहर बैठना पड़ा है। टीम के खराब प्रदर्शन की जिम्मेदारी सिर्फ कप्तान श्रेयस अय्यर पर नहीं है, जो अभी वापसी करने वाले इकलौता नहीं आक्रामक कप्तान बनाए जाने के बाद अपनी पहली जीत की तलाश में हैं। बल्कि कोच गौतम गंभीर और अजीत अगरकर की चयन समिति पर भी बड़ी जिम्मेदारी है।

टीम प्रबंधन की रणनीतियों की हो रही आलोचना- टीम प्रबंधन की रणनीतियों की भी आलोचना हो रही है। यह देखना होगा कि क्या वे एक और सीरीज हारने की शर्मिंदगी से बच पाते हैं या नहीं। तीसरे टी20 में 125 रन की करारी हार के बाद ट्रेंट ब्रिज स्टेडियम के बाहर प्रशंसकों ने 'वी वांट संजू (हमें संजू टीम में चाहिए) के नारे लगाए। टी20 विश्व कप जिताने वाले कप्तान सूर्यकुमार यादव को बाहर करने पर भारी आलोचना हुई थी।

तीन साल 5 महीने में जीती पहली टेस्ट सीरीज

वेस्टइंडीज ने श्रीलंका के खिलाफ 23 साल बाद जीती टेस्ट सीरीज

एजेंसी ▶▶ एंटीगुआ

वेस्टइंडीज और श्रीलंका के बीच विवियन रिचर्ड्स क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया दूसरा टेस्ट मैच ड्रॉ पर खत्म हुआ। श्रीलंका से मिले 302 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज ने दूसरी पारी में बिना कोई विकेट गंवाए 109 रन बनाए, जिसके बाद दोनों कप्तानों ने ड्रॉ पर सहमति जताई। दूसरा टेस्ट ड्रॉ होने के साथ ही वेस्टइंडीज ने दो मैचों की टेस्ट सीरीज को 1-0 से अपने नाम किया। वेस्टइंडीज ने 23 साल बाद श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज को अपने नाम किया है। इसके साथ ही पिछले 3 साल और 5 महीने में यह कैरेबियाई टीम की पहली टेस्ट सीरीज जीत है।

दूसरी पारी में वेस्टइंडीज को जॉन कैंपबेल और ब्रैंडन किंग ने शानदार शुरुआत दी। दोनों ही बल्लेबाजों ने अर्धशतकीय पारी खेली। कैंपबेल 113 गेंदों का सामना करते हुए 51 रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि किंग 5 चौके और एक छक्के की मदद से 51 रन बनाकर नॉटआउट रहे।

रशीद बने टी-20 में सर्वाधिक विकेट लेने वाले दूसरे गेंदबाज

एजेंसी: नॉटिंघम। इंग्लैंड ने तीसरे टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में भारत को 125 रनों से करारी शिकस्त दी। मेजबान टीम की यादगार जीत में आदिल रशीद ने भी गेंद से अहम भूमिका निभाई और दो विकेट चटकाए। रशीद ने इस मुकाबले में बड़ी उपलब्धि को भी अपने नाम कर लिया है। आदिल रशीद टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर आ गए हैं। उन्होंने तीसरे टी20 में 2 विकेट लेने के साथ ही न्यूजीलैंड के स्पिन गेंदबाज ईश सोढ़ी को पीछे छोड़ दिया है।

हांग्झोउ एशियाई खेलों में कांस्य जीतकर ओलंपिक के लिए कोटा हासिल

22 साल की स्वैग वाली मुक्केबाज, राष्ट्रमंडल खेलों में 'गोल्ड' पर

नई दिल्ली

युवा मुक्केबाज प्रीति पंवार ने अपने करियर की शुरुआत में ही यह सबक सीख लिया था कि जीवन में कुछ भी निश्चित नहीं होता और उम्मीद के अनुरूप योजनाएं काम नहीं करती इसलिए वह शानदार नतीजों के भरोसे राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतने पर नजरें लगाए हैं। वह किसी भी चीज को हल्के में नहीं ले रही हैं।

22 साल की बैंथमवेट (54 किग्रा) मुक्केबाज प्रीति पिछले तीन साल में भारत की सबसे होनहार मुक्केबाजों में से एक बनकर उभरी हैं। उन्होंने मुश्किलों का सामना करते हुए लगातार पदक जीते हैं। प्रीति ने 2023 में सीनियर विश्व चैंपियनशिप में पदार्पण करते हुए प्री-क्वार्टर फाइनल से बाहर होने के बावजूद प्रभावित किया। उसी साल बाद में उन्होंने हांग्झोउ एशियाई खेलों में कांस्य पदक जीतकर पेरिस ओलंपिक के लिए कोटा हासिल करके वापसी की।

लंबे ब्रेक के बाद प्रीति ने की जबरदस्त वापसी

प्रीति ने कहा, 'मैं राष्ट्रमंडल खेलों में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहती हूं और भारत के लिए पदक पदक जीतना चाहती हूं। देखते हैं क्या होता है क्योंकि कभी-कभी हम कुछ योजना बनाते हैं लेकिन चीजें वैसी नहीं होतीं जैसी हम चाहते हैं।' ओलंपिक के बाद लंबे ब्रेक के बाद प्रीति ने जबरदस्त वापसी की। उन्होंने 2025 विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल में स्वर्ण पदक जीता और फिर स्पेन में बॉक्सम एलीट इंटरनेशनल टूर्नामेंट में रजत पदक हासिल किया। इसके बाद उन्होंने कड़े मुकाबले के बीच एशियाई चैंपियनशिप का खिताब जीता।

हेल्थ क्वेस्ट

डॉ. आर. पी. सिंह सीनियर फिजिशियन, एनसीआर

जब कमर में हो अकड़न और दर्द

मेरी उम्र 28 वर्ष है। पिछले कुछ दिनों से मेरी कमर और बैक बोन में अकड़न रहती है और हल्का-हल्का दर्द भी होता रहता है। कृपया मेरी इस प्रॉब्लम का सॉल्यूशन बताएं।

-साकेत, रायपुर

आजकल युवाओं में इस तरह की समस्याएं काफी देखी जाती है। इसका कारण लंबी सिटिंग है। अगर आपका प्रोफेशन भी ऐसा है तो जरूर आपको लाइफस्टाइल थोड़ी चेंज करनी पड़ेगी। रेगुलर तौर पर सुबह और शाम कमर की एक्सरसाइज करें। ऑफिस में काम करते वक्त थोड़ी-थोड़ी देर के अंतराल में कुछ चहलकदमी करें। इसके अलावा विटामिन-डी और कैल्शियम की भी जांच कर लें। इसकी कमी भी दर्द की वजह बनती है।

मेरी उम्र 48 वर्ष है। बरसात के मौसम में मैं अकसर बीमार पड़ जाता हूं। गला खराब रहता है, लूज मोशंस और उल्टियों की समस्या बनी रहती है। प्लीज बताएं मुझे क्या करना चाहिए?

-सुशील, भोपाल

आपकी समस्या सुनकर ऐसा लग रहा है कि आपको पानी से इंफेक्शन हो सकता है, जिससे डाइजेशन सिस्टम गड़बड़ हो जाता है। सबसे पहले आप घर के बाहर जाते समय पीने का पानी साथ लेकर निकलें। गला खराब होने की वजह ठंडा पानी होता है। कई बार लोग गर्मी से आते हैं और तुरंत ठंडा पानी पी लेते हैं। इस मौसम में अचानक ठंडा पानी पीना भी नुकसानदेह हो सकता है। इससे बचना चाहिए।

मेरी उम्र 54 वर्ष है। मैं जब भी सीढ़ियां चढ़ता-उतरता हूं मेरी सांस फूलने लगती है। जबकि प्लेन सरफेस पर चलने-फिरने से ऐसा नहीं होता। कृपया मेरी इस समस्या का समाधान बताएं।

-रमेश, कटनी

सांस फूलने की एक वजह दिल संबंधी परेशानी हो सकती है, लेकिन जांच कराए बिना कुछ भी कहना ठीक नहीं है। हालांकि कई बार फेफड़े संबंधित रोग से भी ऐसा होता है। इसलिए बेहतर होगा कि आप एक बार डॉक्टर से संपर्क करें। वह कुछ जांच कराएंगे, जिससे इसकी वजह पता चलेगी और उसका इलाज हो सकेगा। फिलहाल आप जल्दी डॉक्टर से संपर्क करें।

मेरी उम्र 62वर्ष है। एक साल पहले मैंने प्रोस्टेट का ऑपरेशन करवाया था। पिछले कुछ हफ्तों से यूरिनेशन में प्रॉब्लम हो रही है। कृपया बताएं कि अब मुझे क्या करना चाहिए?

-जगताप, रोहतक

जितनी जल्दी हो आपको डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। जांच करने के बाद ही पता चलेगा कि इसकी वजह क्या है? इस बात का ध्यान रखें कि बगैर जांच कराए आप कोई भी दवा ना लें। ऐसा करना नुकसानदायक हो सकता है।

मेरी उम्र 33 वर्ष है। मेरी आंखों के नीचे डार्क सर्कल्स हो गए हैं। और स्किन भी सूजी हुई है। कई तरह की होम-रेमिडीज ट्राई करने पर भी कोई असर नहीं हुआ। कृपया इस समस्या का कोई इफेक्टिव सॉल्यूशन बताएं।

-सोहम, बिलासपुर

आंखों के नीचे डार्क सर्कल कई बार शरीर में खून की कमी से भी हो सकते हैं। दूसरी बात आप बता रहे हैं कि स्किन में स्वेलिंग भी है तो यह लक्षण शुगर बढ़ने की वजह से भी होता है। ऐसे में बगैर जांच कराए कुछ भी नहीं कहा जा सकता है। इसलिए बेहतर होगा कि आप एक बार डॉक्टर से संपर्क करके जांच करा लें, जिससे परेशानी का कारण पता चलेगा और प्रॉपर उपचार किया जा सकेगा। फिलहाल आप मीठा खाना बिल्कुल बंद कर दें।

मेरी उम्र 38 वर्ष है। मुझे लंबे समय से साइनस की प्रॉब्लम है। काफी दवाइयां लेने और घरेलू उपचारों के बाद भी यह ठीक नहीं हुआ। कृपया बताएं, क्या करूं कि यह प्रॉब्लम ठीक हो जाए।

-नीरज, हिसार

आपको ईएनटी विशेषज्ञ से मिलना चाहिए, वे जांच कर बताएंगे कि इसकी वजह क्या है? कई बार नाक की हड्डी बढ़ने से भी ऐसी समस्या आती है और उसे ठीक किया जा सकता है, लेकिन बगैर जांच किए कुछ भी नहीं कहा जा सकता है, इसलिए, डॉक्टर से संपर्क करें। ✱

प्रस्तुति: रिचा पांडे

पाठक अपनी हेल्थ प्रॉब्लम्स से संबंधित सवाल sehatharibhoomi@gmail.com पर ई-मेल कर सकते हैं।

डॉक्टर्स सजेशन

डॉ. बी. ए. चौरसिया

कंसल्टेंट-इंटरनल मेडिसिन

ग्लोबल हॉस्पिटल, मुंबई

मानसून के दौरान पाचन तंत्र से संबंधित समस्याएं अन्य ऋतुओं की तुलना में कहीं ज्यादा बढ़ जाती हैं। समस्या की गंभीरता का अंदाजा इस तथ्य से लगा सकते हैं कि प्रतिवर्ष देश में लगभग तीन लाख बच्चों की मौतें डायरिया के कारण होती हैं, जिनमें सबसे ज्यादा मामले मानसून के दौरान दर्ज होते हैं। बारिश के मौसम में किस तरह की समस्याएं हो सकती हैं, इनसे बचने के लिए क्या सावधानियां बरतें, यहां एक्सपर्ट डॉक्टर डिटेल में बता रहे हैं।

बारिश के मौसम में बढ़ जाता है पाचन संबंधी संक्रमण का रिस्क

अधिकतर हेल्थ एक्सपर्ट्स अब इस तथ्य पर एकमत हैं कि अच्छे स्वास्थ्य की बुनियाद सशक्त पाचन तंत्र पर आधारित है, लेकिन यही तंत्र लापरवाही बरतने पर बारिश के मौसम में तेजी से बिगड़ जाता है। ऐसे में इस मौसम में एक्स्ट्रा केयर और प्रिकॉशन बरतने की जरूरत होती है।

इसलिए बढ़ती हैं समस्याएं

मानसून में अत्यधिक उमस भरे वातावरण के कारण व्यक्ति की पाचन क्रिया धीमी हो जाती है। बारिश होने पर वातावरण में नमी व्याप्त हो जाती है और बारिश थमने पर धूप निकलने के बाद मौसम अत्यधिक उमस भरा, चिपचिपा हो जाता है। यह स्थिति शरीर की पाचन क्रिया को धीमा करती है। पाचन क्रिया के धीमा पड़ने से अपच (बदहजमी), गैस, एसिडिटी, पेट में दर्द, मरोड़ व ऐंठन आदि गैस्ट्रो इंटेस्टाइनल (पेट और आंतों से संबंधित) समस्याएं होने का खतरा बढ़ जाता है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार बारिश के मौसम में नमी और उमस के अलावा गंदगी के बढ़ने के कारण जीवाणु तेजी से पनपते हैं। ये जीवाणु व्यक्ति को विभिन्न बीमारियों का शिकार बनाते हैं। अशुद्ध पेयजल और दूषित खाद्य पदार्थ ग्रहण करने से होने वाली इन जीवाणुजनित बीमारियों में प्रमुख तौर पर गैस्ट्रोएंटेराइटिस, डायरिया, पेचिश, पेट और आंतों में संक्रमण, फूड प्वॉइजनिंग और हैजा शामिल हैं। इसके अलावा मानसून में हेपेटाइटिस ए और हेपेटाइटिस ई के मामले भी बढ़ जाते हैं, लेकिन हेपेटाइटिस वायरस जनित रोग है।

गैस्ट्रोएंटेराइटिस: पेट और आंतों में संक्रमण की स्थिति को गैस्ट्रोएंटेराइटिस कहते हैं। इस समस्या में पेट में मरोड़, ऐंठन, दर्द, उल्टी, दस्त और बुखार के लक्षण प्रकट होते हैं। कुछ लोगों में सिर दर्द की समस्या भी होती है।

डायरिया: इसमें भी गैस्ट्रोएंटेराइटिस सरीखे लक्षण प्रकट होते हैं, लेकिन दस्त अनेक बार और जल्दी-जल्दी होते हैं। देश में 5 वर्ष तक के बच्चों में डायरिया के मामले बहुत ज्यादा होते हैं, जो मानसून में तेजी से बढ़ते हैं।

पेचिश (डिसेंट्री): जब दस्त के साथ खून भी आने लगे तो उस स्थिति को पेचिश या डिसेंट्री कहते हैं। इस मर्ज के अन्य लक्षण गैस्ट्रोएंटेराइटिस की तरह ही होते हैं।

अपच (बदहजमी)-गैस-एसिडिटी: भूख से अधिक मात्रा में गरिष्ठ और अधिक चिकनाईयुक्त पदार्थों को खाना, इन समस्याओं का एक कारण है। चूंकि मानसून में पाचन क्रिया धीमी रहती है, इसलिए गरिष्ठ खाद्य पदार्थों को पचाने में पाचन तंत्र पर अतिरिक्त भार पड़ता है, नतीजतन अपच, गैस और एसिडिटी के मामले मानसून में बड़े पैमाने पर सामने आते हैं।

हेपेटाइटिस ए और ई: लिवर में सूजन और इन्फ्लेमेशन (इस स्थिति में सूजन के अलावा मरीज की लिवर कोशिकाएं भी क्षतिग्रस्त होने लगती हैं) को हेपेटाइटिस कहते हैं। मानसून के दौरान हेपेटाइटिस ए और हेपेटाइटिस ई के मामले काफी बढ़ जाते हैं। हेपेटाइटिस में पीड़ित व्यक्ति को पहले बुखार आता है और इसके बाद वह पीलिया (जॉन्डिस) से ग्रस्त हो जाता है। पीलिया के लक्षणों के अंतर्गत पीड़ित व्यक्ति की आंखों का रंग पीला हो जाता है, उन्हें यूरिन पीली होती है और वे भूख महसूस नहीं करते। गौरतलब है कि पीलिया, हेपेटाइटिस का लक्षण है।

फूड प्वॉइजनिंग: ई.कोलाई और सैलमोनेला नामक जीवाणु बरसात के मौसम में तेजी से पनपते हैं। ये जीवाणु अशुद्ध पेयजल और दूषित खाद्य पदार्थों के जरिए शरीर में पहुंचते हैं। पेट खराब होना और उल्टी होना, इस समस्या के प्रमुख लक्षण हैं।

हैजा: मानसून के दौरान वाइब्रियो कॉलेरी नामक जीवाणु तेजी से पनपता है, जो हैजा (कॉलरा) का कारण है। प्रदूषित खाद्य और अशुद्ध पेय पदार्थों को लेने से इसके जीवाणु शरीर में प्रवेश कर पाचन तंत्र को गड़बड़ कर देते हैं। लगातार उल्टियां और दस्त होना इस रोग के प्रमुख लक्षण हैं।

इलाज के बारे में

- गैस्ट्रोएंटेराइटिस, डायरिया और डिसेंट्री के इलाज में जरूरत पड़ने पर डॉक्टर के परामर्श से एंटीबायोटिक दवाएं दी जाती हैं।
- ओरल रिहाइड्रेशन थेरेपी का भी प्रयोग होता है।
- अनेक मामलों में लक्षणों के आधार पर चिकित्सा की जाती है। जैसे मरीज को उल्टी होने पर इसे दूर करने की दवा, पेट में मरोड़ और दर्द होने पर इसे दूर करने वाली दवा और सिर दर्द होने पर इससे राहत दिलाने वाली दवा पेशेंट को दी जाती है।
- हेपेटाइटिस ए और हेपेटाइटिस ई में एंटीबायोटिक दवाओं का प्रयोग नहीं किया जाता। हेपेटाइटिस के इन दोनों प्रकारों में लक्षणों के आधार पर इलाज किया जाता है। बावजूद इसके, जो महिलाएं प्रेग्नेंट हों, उन्हें डॉक्टर के परामर्श की आवश्यकता होती है।
- बदहजमी, गैस और एसिडिटी की समस्या को ज्यादातर मामलों में घर पर रहकर ही डॉक्टर के परामर्श से खानपान में संयम बरतकर और दवाओं से दूर किया जा सकता है।
- फूड प्वॉइजनिंग का इलाज लक्षणों के आधार पर किया जाता है। जैसे उल्टियां होने पर इसे रोकने की दवाएं दी जाती हैं।
- हैजा के इलाज में उल्टी और दस्त को रोकने की दवाएं दी जाती हैं। यह बहुत जरूरी होता है कि मरीज के शरीर में पानी की कमी न हो पाए, इसलिए उसे हाइड्रेशन थेरेपी दी जाती है।

तब न करें लापरवाही

पाचन तंत्र से संबंधित समस्याओं को गंभीर स्थिति में पहुंचने से पहले ही सावधान हो जाना चाहिए। जैसे मानसून में डायरिया के मामले बढ़ जाते हैं, वैसे तो यह एक आम समस्या है, लेकिन लापरवाही बरतने पर डायरिया आपको गंभीर हालत में पहुंचा सकता है। रोगी अगर पर्याप्त मात्रा में पानी पीता है, ओआरएस लेता है तो स्थिति कंट्रोल में रहेगी। लेकिन अगर यहां बताए जा रहे कुछ लक्षण दिखें तो तुरंत हॉस्पिटल जाकर डॉक्टर से कंसल्ट करना चाहिए। जैसे-अगर मरीज को लगातार कई दिनों से बुखार जारी है। उसे यूरिन कम हो रही हो। मल (स्टूल) से खून आ रहा हो। पीड़ित व्यक्ति की उल्टियां और दस्त बंद न हो रहे हों। ✱

प्रस्तुति: विवेक शुक्ला

मानसूनी संक्रमण से बचाव के उपाय

- शुद्ध पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करें। अगर आपके पास वाटर फिल्टर, वॉटर प्यूरीफायर या आरओ उपलब्ध नहीं है तो फिर पानी को उबालकर और फिर ठंडा कर पिएं।
- दस्त और उल्टी होने पर शरीर में पानी की कमी हो जाती है। शरीर में पानी की कमी से डिहाइड्रेशन की समस्या उत्पन्न हो जाती है। इस स्थिति को रोकथाम के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी पीते रहना चाहिए और ओआरएस भी लेना चाहिए।
- हल्का सुपाच्य भोजन करें। स्वाद के लालच में ओवर ईटिंग से बचें।
- जहां तक संभव हो, घर के बाहर खाने से परहेज करें।
- जंक फूड्स और फास्ट फूड्स से दूरी बनाए रखें।
- कुछ भी खाने से पहले सैनिटाइजर या एंटीबैक्टीरियल साबुन से हाथ जरूर धोएं।
- बाजार में मिलने वाले पकौड़ों, कचौड़ियों, चाट, समोसे आदि गरिष्ठ खाद्य पदार्थों को बजाय कभी-कभार घर में बनाकर खाना बेहतर है।
- बासी खाद्य पदार्थों से परहेज करें।
- ताजी सब्जियों और ताजे फलों को ही ग्रहण करें। इन्हें अच्छी तरह से धोकर खाएं।
- इन दिनों जूस के स्थान पर सूप का सेवन स्वच्छता के लिहाज से अच्छा है। जूस, चाय और कॉफी की मात्रा घटाएं और सूप की मात्रा बढ़ाएं।
- कोल्डड्रिंक और जंकफूड्स से दूरी बनाए रखना आपके लिए लाभप्रद रहेगा।
- पीने का पानी स्वच्छ और शुद्ध होना चाहिए। संक्रमित पानी पीने से हेपेटाइटिस ए, हेपेटाइटिस ई और डायरिया आदि समस्याओं का रिस्क बढ़ता है।

डाइट

राजकुमार दिनकर

जब नाश्ते के बाद फील हो सुस्ती

बहुत से लोगों को सुबह नाश्ता करने के बाद शरीर में भारीपन महसूस होता है, आलस छाने लगता है, थकान महसूस होती है, काम करने के लिए बैठो तो काम में मन नहीं लगता। यह एक आम समस्या है। नाश्ते में आप क्या लेते हैं, आपका खान-पान कैसा है और आपका लाइफस्टाइल कैसा है, यह बहुत मायने रखता है। सुबह के नाश्ते के बाद नींद या सुस्ती आना इसे फूड कोमा भी कहा जाता है।

हो सकती हैं कई वजह: तमाम दूसरी वजहों के अलावा एक सबसे बड़ी समस्या होती है, नाश्ते में कार्बोहाइड्रेट या वसायुक्त फूड्स खाना। खाना कम मात्रा में न खाकर ज्यादा खाने से भी यह समस्या होती है, क्योंकि अत्यधिक कैलोरी, रिफाइंड कार्बोहाइड्रेट या वसायुक्त नाश्ता शरीर को सुस्त बनाता है। जो लोग सुबह 4 या 5 बजे सोकर जगते हैं, उन्हें भी इस समस्या का ज्यादा सामना करना पड़ता है, क्योंकि अगर हमारी नींद पूरी न हो तो नाश्ता करने के बाद शरीर में सुस्ती आने लगती है। इसके अलावा जो भोजन हम खाते हैं, उनमें अगर विटामिन-डी, बी, बी-12 या आयरन की कमी होती है तो इससे भी नाश्ता करने के बाद नींद आने लगती है।

सही फूड न चुनना: सुबह के समय पराठा, सफेद ब्रेड, तली हुई चीजें खाने से रक्त में शुगर लेवल बढ़ जाता है। अगर ज्यादा खा लिया जाए तो भोजन को पचाने में शरीर को अतिरिक्त मेहनत करनी पड़ती है। इसके लिए बड़ी वजह नाश्ते में फाइबर से भरपूर चीजों का कम सेवन करना, एक्सरसाइज न करना, फिजिकल एक्टिविटी से दूर रहना, फास्ट फूड और ज्यादा नमक, मसाले और मैदे से बनी चीजें खाना और लंबे समय तक एक ही जगह बैठे रहने से भी नींद आती है।

डाइट में करें बदलाव: नाश्ते में कुछ बदलाव करने से आपको नींद या सुस्ती नहीं आएगी। सुबह 7 बजे फल और भीगे हुए मेवे खाने के बाद 10 बजे संतुलित नाश्ता करें। दही को नाश्ते के बजाय दोपहर के भोजन में लें। सुबह के समय मौसम के अनुसार फलों का सेवन करें। हल्का और पोषक नाश्ता जैसे ओट्स या मल्टीग्रेन रोटी, उबले अंडे, अंकुरित अनाज, फल और सलाद आदि लें। रात के समय हल्का खाएं। सुबह के समय नाश्ते में ज्यादा मीठा या तला-भुना फूड न खाएं। सुबह नाश्ता हल्का रखें। नाश्ते में ज्यादा मात्रा में प्रोटीन और ज्यादा कार्बोहाइड्रेटयुक्त फूड लेने से भी नींद और सुस्ती महसूस होती है। ✱

ट्रीटमेंट

डॉ. देवेंद्र कुमार

दंत चिकित्सक, एम्स-दिल्ली

आरसीटी के बाद जब प्राकृतिक दांत का बहुत ज्यादा हिस्सा ऊपर की ओर नहीं बचे या कुछ समय बाद किसी कारणवश वह टूट जाए, तब दंत चिकित्सक 'पोस्ट एंड कोर' की सलाह देते हैं। क्या है यह प्रोसेस, जानिए।

आरसीटी के बाद दांत को सुरक्षित बनाए पोस्ट एंड कोर

दांतों में गंभीर इंफेक्शन होने पर डेंटिस्ट रूट कैनाल ट्रीटमेंट (आरसीटी) करते हैं। 'पोस्ट एंड कोर', डेंटल रेस्टोरेशन की वह प्रक्रिया है, जिसका प्रयोग ऐसे दांत को सुरक्षित रखने के लिए किया जाता है, जिसमें आरसीटी के बाद दांत का प्राकृतिक ढांचा ज्यादा नहीं बच पाता। ऐसे में क्राउन, ब्रिज, इंप्लांट या रिमूवर बेंचर के लिए यह सहारा बनता है।

क्या है पोस्ट एंड कोर

पोस्ट: इस प्रक्रिया में धातु या फाइबर की एक पतली छड़ (रॉड) को रूट कैनाल की जड़ खाली करके उसमें डाला जाता है।

कोर: यह पोस्ट के चारों ओर बनाया जाने वाला आधार है, जो क्राउन रेस्टोरेशन को मजबूती और स्थिरता देता है।

क्यों पड़ती है इसकी जरूरत

आरसीटी के बाद पोस्ट एंड कोर की जरूरत कुछ कंडीशंस में पड़ती है।

- दांत का ढांचा पर्याप्त न होने पर, क्राउन ढीले हो सकते हैं, अपनी जगह से हट सकते हैं या आरसीटी किए गए दांत को सही सुरक्षा नहीं दे पाते। ऐसे में पोस्ट एंड कोर प्रक्रिया एक मजबूत आधार बनकर इस ढांचागत कमी को दूर करती है, जो दांत के मूल आंतरिक ढांचे जैसा ही होता है।
- कई बार दांतों के ढांचे के नुकसान की सीमा ट्रीटमेंट से पहले दांत की स्थिति पर भी निर्भर करती है। जिन दांतों में बहुत ज्यादा सड़न होती है या पहले से बड़ी फिलिंग होती है, उनमें आरसीटी के बाद बहुत कम स्वस्थ ढांचा बच जाता है। ऐसे में, दांत की बची हुई दीवारें भोजन चबाने की प्रक्रिया का दबाव भी नहीं झेल पातीं।
- आरसीटी के बाद दांत में लगातार बेचैनी या सेंसिटिविटी, खासकर कुछ काटते या चबाते समय, महसूस हो या लगे कि स्ट्रक्चरल सपोर्ट सही नहीं है या टेंपररी रेस्टोरेशन में कोई दिक्कत है या टेंपररी फिलिंग या क्राउन ढीला हो जाए या निकल जाए या ट्रीटमेंट किए गए दांत के रूप-रंग में बदलाव दिखने लगे, तो डॉक्टर यह प्रोसीजर कर सकते हैं।

क्या होता है इस प्रक्रिया में

पोस्ट एंड कोर की यह प्रक्रिया आरसीटी के कई हफ्तों बाद की जाती है, ताकि ट्रीटमेंट के बाद दांत को ठीक होने का पर्याप्त समय मिल सके। इसकी आवश्यकता किसी मरीज को है या नहीं, यह भी चिकित्सक आरसीटी के बाद तय करते हैं।

इस प्रक्रिया के दौरान रूट कैनाल फिलिंग मैटीरियल के एक हिस्से को सावधानी से हटाया जाता है ताकि पोस्ट के लिए जगह बन सके, साथ ही जड़ के सिरे पर सही सील बनी रहे। इसके बाद पोस्ट को या तो सीमेंट से अपनी जगह पर लगाया जाता है या कुछ मामलों में, कोर स्ट्रक्चर के हिस्से के तौर पर कास्ट किया जाता है। पोस्ट के चारों ओर कोर मैटीरियल लगाकर दांत के खोए हुए हिस्से को फिर से बनाया जाता है, ताकि फाइनल क्राउन को सहारा देने के लिए सही आकार और बनावट तैयार कर सकें। पोस्ट एंड कोर के लिए कई जगह कंपोजिट कोर के साथ फाइबर ग्लास पोस्ट या पारंपरिक कास्ट मेटल पोस्ट और कोर का भी प्रयोग करते हैं।

इन बातों का रखें ध्यान

आरसीटी के बाद जरूरी इलाज में देरी से समस्या बढ़ सकती है, क्योंकि बिना सुरक्षा वाले दांतों के टूटने या उनमें दोबारा इंफेक्शन होने का खतरा बना रहता है। ऐसे में जरूरी है कि मरीज आरसीटी के बाद रेग्युलर फॉलोअप कराते रहें। ✱

प्रस्तुति: सुषमाश्री

जनपद में लगभग 50 से अधिक कोचिंग सेन्टर संचालित मात्र 09 पंजीकृत, डीएम ने की नाराजगी व्यक्त

- गैर पंजीकृत कोचिंग सेंटर पर होगी कार्यवाहीः- जिलाधिकारी
- कोचिंग सेंटर संचालकों के पास फायर/जेडीए की एनओसी है तो तत्काल पंजीकरण कराना सुनिश्चित करेंः- जिलाधिकारी
- कोचिंग सेंटर संचालको को दिया एक माह का समय,फायर एवं जेडीए की एनओसी प्राप्त कर कोचिंग सेंटर करें संचालित अन्यथा होगा सील
- बैठक में अनुपस्थित कोचिंग सेंटर संचालको के विरुद्ध तत्काल कार्यवाही करने के निर्देश
- फायर एनओसी के लिए कैसे करें आवेदन की जानकारी मो0न0 9454418431 से प्राप्त कर सकते हैं कोचिंग सेंटर संचालक
- विभिन्न थानों से भी कोचिंग सेन्टर संचालन की ली जाएगी जानकारी,टीम करेगी जांच

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। जिलाधिकारी गौरांग राठी ने जनपद लखनऊ के अलीगंज क्षेत्र में 22 जून 2026 को घटित हुई दु:खद अग्निकांड की घटना का संज्ञान लेते हुए जनपद में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि छात्र-छात्राओं एवं आम जनमानस की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा शैक्षणिक एवं प्रशिक्षण संस्थानों में अग्निशमन मानकों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाना अत्यंत आवश्यक है।

आज कलेक्ट्रेट नवीन सभागार में जिलाधिकारी श्री गौरांग राठी ने मुख्य अग्निशमन अधिकारी को निर्देशित किया है कि तत्काल प्रभाव से आवश्यकतानुसार विशेष जांच दलों का गठन कर जनपद के समस्त कोचिंग सेंटरों, कंप्यूटर प्रशिक्षण संस्थानों एवं सार्वजनिक लाइब्रेरी में सघन अग्नि सुरक्षा जांच अभियान संचालित किया जाए और यह विशेष अभियान निरंतर चलाया जाए। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि अभियान के दौरान संस्थानों में स्थापित अग्निशमन उपकरणों की उपलब्धता एवं उनकी क्रियाशील स्थिति का गहन परीक्षण किया जाए। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाए कि आपातकालीन निकास (इमरजेंसी एग्जिट) की समुचित व्यवस्था उपलब्ध हो तथा निकास मार्ग किसी भी प्रकार के अवरोध से मुक्त हों। उन्होंने कहा कि अधिकांश अग्नि दुर्घटनाएं विद्युत शॉर्ट सर्किट के कारण होती हैं, इसलिए सभी प्रतिष्ठानों में विद्युत वायरिंग एवं विद्युत सुरक्षा मानकों की विशेष रूप से जांच की जाए, जिससे संभावित दुर्घटनाओं को रोका जा सके। इसके अतिरिक्त संस्थानों द्वारा प्राप्त फायर एनओसी (अनापत्ति प्रमाण पत्र) की वैधता एवं अनुपालन की भी जांच की जाए तथा वैद्यता समाप्त होने पर सेंटर सील किया जाए। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी श्री गौरांग राठी ने उपस्थित कोचिंग सेंटर संचालकों से कहा कि इस विशेष अभियान का उद्देश्य केवल निरीक्षण करना नहीं, बल्कि जनपद के सभी शैक्षणिक एवं प्रशिक्षण संस्थानों में सुरक्षा संस्कृति को विकसित करना तथा संभावित अग्नि दुर्घटनाओं की रोकथाम सुनिश्चित करना है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को अभियान के प्रभावी एवं पारदर्शी संचालन के निर्देश देते हुए कहा कि इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता या लापरवाही क्षम्य नहीं होगी।बैठक में जिलाधिकारी श्री गौरांग राठी ने अनुपस्थित कोचिंग सेंटर संचालकों के विरुद्ध तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए, ऐसे कोचिंग सेन्टर जिनके पास फायर/ जेडीए कि एनओसी है उन्हें तत्काल उत्तर प्रदेश कोचिंग विनियमन नियमावली 2002 में पंजीकरण कराए जाने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त, ऐसे कोचिंग सेंटर जिनके पास अभी तक जेडीए और फायर की एनओसी नहीं है, उन्हें 10 दिन में आवेदन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यदि कोचिंग सेंटर किराए के भवन में है तो भवन स्वामी को फायर और जेडीए से एनओसी प्राप्त करना होगा, अन्यथा कोचिंग सेंटर सील कर दिया जाएगा। जिलाधिकारी श्री गौरांग राठी ने बैठक में उपस्थित कोचिंग सेन्टर संचालकों को फायर एनओसी प्राप्त करने के लिए https//niveshmitra.up.nic.in लॉग इन कर आवेदन कर सकते हैं।इसके अतिरिक्त उन्होंने बताया कि प्रभारी फायर स्टेशन श्री अनिल कुमार, मो0 9454418431 पर भी एनओसी प्राप्त करने हेतु आवेदन कैसे करें की जानकारी ली जा सकती है। बैठक में क्षेत्रीय शिक्षा अधिकारी प्रोफेसर सुशील बाबू ने उत्तर प्रदेश कोचिंग विनियमन नियमावली 2002 कि बिंदुवार जानकारी दी। उन्होंने कहा, प्रत्येक कोचिंग संस्थान का पंजीकरण कराना आवश्यक है।बिना पंजीकरण के कोचिंग का संचालन नहीं किया जा सकता। उन्होंने पंजीकरण शुल्क, पंजीकरण प्रमाणपत्र तथा प्रत्येक नयी शाखा के लिए अलग पंजीकरण आवश्यक है कि जानकारी दी। इसके अतिरिक्त उन्होंने पता बदलने पर, प्रमाण पत्र खो जाने पर, आवश्यक अभिलेख सहित संचालकों की जिम्मेदारी के संबंध में भी विस्तृत जानकारी संचालकों को दी। बैठक में मुख्य अग्निशमन अधिकारी श्री आर के राय ने फायर सेफ्टी उपकरण के संचालन कि विधिवत जानकारी एवं प्रैक्टिकल करके प्रदर्शित किया। बैठक में उपाध्यक्ष जेडीए श्री हिमांशु गौतम, एडीएम वित्त एवं राजस्व श्रीमती पल्लवी मिश्रा, नगर मजिस्ट्रेट श्री प्रमोद झा, सीएफओ श्री आर के राय, आपदा विशेषज्ञ श्री धीरज पाठक,कोचिंग पंजीयन समिति प्रभारी प्रोफेसर संजीव मिश्रा, सदस्य डॉ0 अजय शंकर यादव, नागरिक सुरक्षा संगठन से श्रीमती शिखा शर्मा, सुश्री प्रगति शर्मा, श्री बृजेन्द्र शर्मा सहित कोचिंग सेंटर संचालक उपस्थित रहे।

अखंड रामायण पाठ और विशाल भंडारे का हुआ आयोजन

-फिल्म अभिनेत्री उन्नति पाण्डेय ने कराया कन्या भोज

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। भाई की पुण्यतिथि पर अखंड रामायण पाठ के बाद हुए विशाल भंडारे का आयोजन में फिल्म अभिनेत्री उन्नति पांडेय अपने सपरिवार पहुंची ओर विशाल भंडारे मे कन्याओं को भोज कराकर पुण्य लाभ लिया।कई वर्षों से सदर विधायक पंडित रवि शर्मा के निर्देशन में समाज सेवी दिलीप पांडेय द्वारा विधायक सेवार्थ रथ चलाया जा रहा है। जिसके माध्यम से गरीब असहाय लोगों तक उन्हें खान पान सामग्री ओर जरूरत की वस्तुएं भेंट की जाती है। सेवार्थ रथ के तत्वावधान में पंचवटी कॉलोनी स्थित प्राचीन खाती बाबा मंदिर पर अखंड रामायण पाठ का आयोजन शुरू हो गया है, दिलीप पांडे ने

जानकारी देते हुए बताया कि नौ जुलाई को अखंड रामायण पाठ समापन के बाद विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। समाजसेवी दिलीप पांडेय ने बताया कि यह आयोजन उन्होंने अपने बड़े भाई प्रदीप पांडे की छठवीं पुण्यतिथि पर आयोजित किया था। इस विशाल भंडारे के आयोजन में फिल्म अभिनेत्री उन्नति पाण्डेय अपने सपरिवार शामिल हुई ओर भंडारे के दौरान कन्याओं को भोज कराकर पुण्य लाभ लिया। आपको बता दे कि फिल्म अभिनेत्री उन्नति पाण्डेय समाज सेवी दिलीप पांडेय की पुत्री है ओर उन्होंने अजमेर 92 सहित कई फिल्मों में ओर धारावाहिकों में काम किया है। अभी इनके कई धारावाहिक टीवी पर आ रहे है।

रोटरी क्लब झांसी रानी का 31 वाँ अधिष्ठापन दिवस समारोह संपन्न

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। रोटरी क्लब झांसी रानी का 31 वाँ अधिष्ठापन दिवस आज भव्य कार्यक्रम के साथ आयोजित हुआ। इस समारोह में क्लब के नव निर्वाचित अध्यक्ष रो. अतुल अग्रवाल जी एवं सचिव रो. संजीव बब्बर जी के साथ-साथ वर्ष 2026-27 की नवगठित कार्यकारिणी एवं बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स विधिवत पदभार ग्रहण किया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रोटरी क्लब के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर जसवीर सिंह भाटिया एवं विशिष्ट अतिथि सांसद अनुराग शर्मा व पीडीजी डीसी शुक्ला रहे। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन एवं गणेश वंदना के साथ हुई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि जसवीर भाटिया ने कहा कि रोटरी स्वास्थ्य, शिक्षा एवं सेवा के विभिन्न प्रकल्प को चला ही रहा है इसके साथ ही प्यास मुक्त अभियान लेकर भी वृहद कार्यक्रम संचालित किए जा रहा है । विशिष्ट अतिथि सांसद अनुराग शर्मा ने कहाकि रोटरी क्लब के सेवा कार्य अनुकरणीय है और क्लब किसी न किसी रूप में समाज के हर वर्ग के लिए समर्पित भाव से सक्रिय रहता है। समारोह के स्थापना अधिकारी पीडीजी रो डी.सी. शुक्ला जी, डीएलएफ, डीआरएफसी, डिस्ट्रिक्ट 3110 की नई टीम को शपथ ग्रहण कारवाई व क्लब के कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से समाज का नवनिर्माण होता है। क्लब के अध्यक्ष अतुल अग्रवाल ने कहा कि रोटरी क्लब रानी झांसी विभिन्न सामाजिक कार्यों के जरिये वंचितों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए कृत संकल्पित है। उन्होंने कहा कि आगामी माह में क्लब कई अन्य जनोपयोगी कार्यों को करने जा रहा है जिसके तहत स्वास्थ्य शिविर एवं स्वच्छता अभियान चलाए जायेंगे साथ ही शिक्षा से वंचित बच्चों को साक्षरता कार्यक्रम के जरिए शिक्षित किया जाएगा। निवर्तमान अध्यक्ष आकांक्षा रिछारिया ने अपने एक वर्ष के कार्यकाल की रिपोर्ट प्रस्तुत की। कार्यक्रम में प्रोजेक्ट चेयरपर्सन विभोर गुप्ता एवं राजेश दुबे का विशेष सहयोग रहा। इस मौके पर उपस्थित डिस्ट्रिक्ट ऑफिसर राजीव शर्मा, मधुकर श्रीवास्तव, विजय पुरवार, देवप्रिया उकसा आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन गुरमीत त्रिपाठी संजय अरोरा ने किया। आभार संस्था के सचिव संजीव बब्बर ने व्यक्त किया। कार्यक्रम में उपस्थित रहे पूनम शर्मा विनय शर्मा ,रोहित माटा, अरविंद मल्होत्रा , रचना देवप्रिया उकसा , सारिका, जया ,संगीता मानस पूनम पूरी आशीष दुबे,रश्मि रचना सोनल संजय आदि।

राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस पर झांसी में एबीवीपी का भव्य आयोजन, 500 से अधिक विद्यार्थियों की सहभागिता

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के 78वें स्थापना दिवस एवं राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस के अवसर पर झांसी महानगर के विभिन्न स्थानों पर भव्य कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रमों में 500 से अधिक विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता कर राष्ट्र निर्माण एवं छात्र शक्ति के संकल्प को दोहराया।

इस अवसर पर झांसी पूरब जिला में प्रांत प्रवासी के रूप में प्रांत उपाध्यक्ष डॉ. पवन कश्यप का प्रवास रहा, जबकि झांसी पश्चिम जिला में राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य डॉ. नमो नारायण ने प्रवास कर कार्यकर्ताओं एवं विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। झांसी पूरब एवं झांसी पश्चिम के अंतर्गत आने वाले छह-छह नगरों के विभिन्न विद्यालयों में संगोष्ठियों का आयोजन किया गया। इन संगोष्ठियों में स्वामी विवेकानंद के विचारों, राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका, चरित्र निर्माण तथा विद्यार्थी जीवन के आदर्शों पर तथा अभाविप से जुड़ कर छात्रों का हित कैसे हो सकता है ऐसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई । कार्यक्रमों की श्रृंखला में बुंदेलखंड विश्वविद्यालय परिसर स्थित स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। वहीं बुंदेलखंड डिग्री कॉलेज में स्वामी विवेकानंद के चित्र पर माल्यार्पण एवं प्रेरणादायी कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने स्वामी जी के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का समापन भारत माता की जय एवं वंदे मातरम् के उद्घोष के साथ हुआ। इस दौरान झांसी विभाग संगठन मंत्री हरिओम जयसवाल प्रांत प्रमुख स्टूडो मेट्रिक रसकेंद्र गौतम महानगर मंत्री सुयश शुक्ला जिला संयोजक विकी चौबे नगर मंत्री प्रिंस लखेरा सहित सिंह चंदेल समीर रिछारिया जतिन गौतम सोनी सूर्य प्रताप गौरव पटेरिया तरुण पांडे ऋतिक ठाकुर सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

युवा उद्यमिता को मिलेगा नया आयाम, बुंदेलखंड

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। विश्वविद्यालय में टाइम यूपी एक्सपो 2026 पर मंथन उत्तर प्रदेश शासन के पत्र संख्या-874/सत्तर-1-2026, दिनांक 03 मई 2026 के अनुपालन में तथा भारतीय ज्ञान परिषद के निर्देशन में युवाओं को उद्यमिता, नवाचार, स्टार्टअप एवं स्वरोजगार के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी में टाइम यूपी एक्सपो 2026 टाइम यूपी एक्सपो 2026 पर मंथन के संबंध में जागरूकता एवं रणनीतिक बैठक आयोजित की गई। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को शासन की विभिन्न उद्यमिता योजनाओं, उद्योग जगत, निवेशकों एवं स्टार्टअप इकोसिस्टम से जोड़ते हुए उन्हें रोजगार तलाशने वाला नहीं, बल्कि रोजगार सृजित करने वाला युवा उद्यमी बनाना था। बैठक की अध्यक्षता माननीय कुलपति प्रो. मुकेश पाण्डेय ने की अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में उन्होंने कहा कि वर्तमान समय नवाचार, कौशल एवं उद्यमिता का है। विश्वविद्यालयों की जिम्मेदारी केवल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में नवाचार, नेतृत्व क्षमता एवं उद्यमशीलता का विकास करना भी है। उन्होंने कहा कि बुंदेलखंड विश्वविद्यालय नवाचार एवं स्टार्टअप संस्कृति को प्रोत्साहित करने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है तथा यह पहल विद्यार्थियों को उद्योगों, निवेशकों और शासन की योजनाओं से जोड़ने का एक प्रभावी मंच सिद्ध होगी। उन्होंने सभी संकायों एवं विभागों से अधिक से अधिक विद्यार्थियों की सहभागिता सुनिश्चित करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता श्री मनीष चौधरी ने उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार द्वारा संचालित विभिन्न उद्यमिता एवं स्वरोजगार योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (PMEGP), मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान (CM YUVA), मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना, वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट (ODOP) तथा निवेश मित्र 3.0 के माध्यम से युवाओं को उपलब्ध कराई जा रही वित्तीय सहायता, प्रशिक्षण, मेंटरशिप एवं उद्योग स्थापना संबंधी सुविधाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आने वाले वर्षों में झांसी सोलर एनर्जी हब के रूप में विकसित होगा तथा उत्तर प्रदेश डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर एवं बुंदेलखंड औद्योगिक विकास प्राधिकरण (BIDA) के माध्यम से क्षेत्र में बड़े पैमाने पर औद्योगिक निवेश होगा, जिससे युवाओं के लिए रोजगार एवं स्वरोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। उन्होंने विद्यार्थियों से शासन की योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाकर नवाचार एवं उद्यमिता के क्षेत्र में आगे बढ़ने का आह्वान किया। मुख्य संचालन अधिकारी, बुंदेलखंड एक्टिव स्टार्टअप इन्क्यूबेशन काउंसिल एवं निदेशक, आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC), प्रो. सुनील कुमार कविया ने कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल शैक्षणिक रूप से सक्षम बनाना ही नहीं, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर एवं सफल उद्यमी के रूप में विकसित करना भी है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का स्टार्टअप इन्क्यूबेशन तंत्र विद्यार्थियों को आइडिया से लेकर सफल स्टार्टअप की स्थापना तक मेंटरशिप, तकनीकी मार्गदर्शन, उद्योगों से संपर्क तथा संस्थागत सहयोग उपलब्ध करा रहा है। उन्होंने कहा कि टाइम यूपी एक्सपो 2026 विद्यार्थियों के लिए उद्योग, निवेशकों एवं सरकारी योजनाओं से सीधे जुड़ने का एक उत्कृष्ट अवसर है, जिससे वे अपने नवाचारों को व्यवसायिक रूप दे सकेंगे। बैठक के दौरान विश्वविद्यालय स्तर पर जागरूकता कार्यक्रमों की रूपरेखा, विभिन्न संकायों एवं विभागों की भूमिका, विद्यार्थियों की अधिकतम सहभागिता, प्रचार-प्रसार तथा टाइम यूपी एक्सपो 2026 के सफल आयोजन हेतु विस्तृत कार्ययोजना पर विचार-विमर्श किया गया। साथ ही विद्यार्थियों को शासन की योजनाओं का लाभ उठाकर स्टार्टअप एवं उद्यमिता के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में प्रो. एस. के. कटियार, डॉ. अनुपम व्यास, डॉ. राजीव बबेले, श्री हेमन्त चंद्रा,सुश्री हितिका यादव, श्री शशांक चन्द्र, जितेंद्र कुमार , चंद्र प्रकाश ,बुंदेलखंड एक्टिव स्टार्टअप इन्क्यूबेशन काउंसिल से जुड़े विभिन्न स्टार्टअप संस्थापकों एवं नवाचारकर्ताओं तथा विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों एवं विभागों के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने युवाओं में उद्यमिता की भावना को प्रोत्साहित करने तथा बुंदेलखंड विश्वविद्यालय को नवाचार एवं स्टार्टअप के क्षेत्र में अग्रणी संस्थान के रूप में स्थापित करने का संकल्प लिया।

मंडप विसर्जन के दौरान यमुना में डूबा युवक, शादी की खुशियां मातम में बदलीं

(यंग भारत न्यूज)

जालौन एक बेहद दर्दनाक खबर सामने आई है, जहां शादी के बाद की रस्म निभाते समय एक बड़ा हादसा हो गया। सिरसा कलार थाना क्षेत्र के ग्राम टिकरी में गुरुवार की शाम यमुना नदी में मंडप विसर्जन के दौरान एक 20 वर्षीय युवक की डूबने से मौत हो गई। इस दुखद घटना के बाद शादी वाले घर की खुशियां पलभर में मातम में तब्दील हो गईं।

रस्म के दौरान गहरे पानी में गया युवक

जानकारी के मुताबिक, ग्राम टिकरी निवासी मोहित (20), पुत्र राजपाल, अपने मोहल्ले के एक परिवार के साथ विवाह के बाद होने वाली मंडप विसर्जन की रस्म निभाने के लिए यमुना घाट गया था। बताया जा रहा है कि इस परिवार में बीती 7 जुलाई को विवाह समारोह संपन्न हुआ था, जिसके क्रम में गुरुवार को मंडप विसर्जन की रस्म निभाई जा रही थी। इसी रस्म के दौरान मोहित अचानक गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा।

लोगों ने बचाने का किया प्रयास

मोहित को डूबता देख मौके पर मौजूद लोगों ने उसे बचाने के लिए तुरंत नदी में छलांग लगा दी। काफी मशक्कत के बाद लोगों ने उसे पानी से बाहर तो निकाल लिया, लेकिन तब तक उसकी हालत बेहद गंभीर हो चुकी थी। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन भी रोते-बिलखते घाट पर पहुंच गए। युवक को तुरंत घर लाया गया, जहां उसकी मौत की पुष्टि हो गई।

पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा

घटना की सूचना मिलते ही सिरसा कलार थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू की। थाना प्रभारी वरुण प्रताप सिंह ने बताया कि पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। इस हादसे के बाद से पूरे परिवार और गांव में शोक की लहर है।

श्रम न्यायालय के आदेश के अनुपालन की मांग को लेकर बुंदेलखंड क्रांति दल ने उप श्रम आयुक्त को सौंपा ज्ञापन

(यंग भारत न्यूज)

झांसी । बुंदेलखंड क्रांति दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष कुंवर सत्येंद्र पाल सिंह के नेतृत्व में आज पार्टी के प्रतिनिधिमंडल ने उप श्रम आयुक्त, झांसी मंडल को ज्ञापन सौंपकर माननीय श्रम न्यायालय, झांसी द्वारा वाद संख्या 44/2018 में दिनांक 01.11.2019 को पारित निर्णय का तत्काल अनुपालन कराने की मांग की।

ज्ञापन में कहा गया कि श्रम न्यायालय से विजयी होने के बावजूद लक्ष्मीनारायण को महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज, झांसी द्वारा आज तक कार्यभार ग्रहण नहीं कराया गया है, जबकि मेडिकल कॉलेज को किसी भी न्यायालय से कोई स्थगन आदेश प्राप्त नहीं है। ज्ञापन में मेडिकल कॉलेज के विरुद्ध वेतन वसूली हेतु आर.सी. जारी करने तथा श्रम न्यायालय के आदेश की अवहेलना करने पर प्राचार्य के विरुद्ध परिवाद दर्ज कराने की मांग की गई। राष्ट्रीय अध्यक्ष कुंवर सत्येंद्र पाल सिंह ने कहा कि यदि शीघ्र प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई तो बुंदेलखंड क्रांति दल एक गरीब एवं अनुसूचित जाति (दलित) कर्मचारी को न्याय दिलाने के लिए आंदोलन करने को बाध्य होगा, जिसकी समस्त जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। इस अवसर पर मो. नईम मंसूरी, देवेंद्र अहिरवार, मो. आरिफ कमाल, कालीचरण श्रीवास, जगदीश विश्वकर्मा, लक्ष्मीनारायण सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मालिक.मुद्रक, प्रकाशक, संपादक संजय श्रीवास्तव द्वारा सेलेक्ट ऑफसेट पता 17, सरकपुर सरैया, छठामील, बी०के०टी० लखनऊ उ0प्र0.226201, लखनऊ से मुद्रित एवं 20 कृष्णा नगर उरई जालौन से प्रकाशित प्रधान संपादक संजय श्रीवास्तव फोन न. +919415055318
(पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन हेतु जिमेदार सभी विवादों का न्याय क्षेत्र उरई जालौन न्यायालय के अधीन होगा। निदेशक अनिल शर्मा, प्रबंध संपादक इं० शिवम श्रीवास्तव RNI NO UPHIN/2011/39718